भाद्रपद कृष्ण पक्ष 12, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-10, अंक - 63 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए
डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
08 सितंबर 2026 मंगलवार

आज का मौसम
28.3 अधिकतम
22.3 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

जहरीली शराब से मौतों का आंकड़ा 24 के पार

कच्ची और अवैध शराब की तस्करी में नाम कमा रहा एमपी

मध्य प्रदेश एक बार फिर जहरीली शराब की त्रासदी के कारण देशभर में चर्चा में है। सागर जिले के बंडा और शाहगढ़ क्षेत्र में संदिग्ध जहरीली शराब पीने से मौतों का आंकड़ा 24 के पार पहुंच चुका है। बड़ी संख्या में लोग अस्पतालों में भर्ती हैं। यहां सवाल सिर्फ यह नहीं कि शराब जहरीली कैसे हुई, बल्कि यह है कि गांवों में लंबे समय से सस्ती कच्ची और कथित अवैध शराब बिकने की शिकायत पुलिस और आबकारी अमले को किये जाने पर उल्टे शिकायत करने सालों पर ही मुकदमे क्यों दर्ज हुए ? पुलिस ने तीन एफआईआर में 30 लोगों को आरोपी बनाया है और 14 गिरफ्तारियां की जा चुकी हैं। लेकिन मौके के मुआयने और प्रशासनिक कार्रवाई के बावजूद इस पूरे नेटवर्क की वे कड़ियां अब भी जांच के केंद्र में नहीं आई हैं, जिनकी ओर स्थानीय ग्रामीण लंबे समय से इशारा करते रहे हैं।

दोपहर मेट्रो
पड़ताल
राजेश सिरोठिया

दोपहर मेट्रो की पड़ताल में दो बड़े सवाल सामने आते हैं - पहला, सागर की डिस्टलरी से कथित अवैध शराब की निकासी और दूसरा, गांवों में कच्ची शराब का संगठित कारोबार। सागर की डिस्टलरी से शराब की कथित अवैध निकासी का मामला सरकारी राजस्व से भी जुड़ता है। स्थानीय स्तर पर आरोप हैं कि एक्साइज ड्यूटी की चोरी कर शराब बाजार में सरकारी दुकानों की तुलना में बेहद कम कीमत पर पहुंचाई जाती रही। सरकारी दुकानों पर 80-90 रुपये में मिलने वाली शराब के 40-45 रुपये में उपलब्ध होने का दावा किया जा रहा है। यदि यह अंतर सही है तो इसकी जांच केवल अवैध बिक्री तक सीमित नहीं रह सकती। उत्पादन, स्टॉक, परिवहन, निकासी और आबकारी निगरानी, पूरी श्रृंखला की जांच आवश्यक है। सबसे बड़ा सवाल यही है कि डिस्टलरी से शराब की अवैध निकासी हुई तो आबकारी विभाग की निगरानी व्यवस्था कहां थी?

पड़ताल का दूसरा सिरा बंडा क्षेत्र के ततरवारा गांव तक पहुंचता है। ग्रामीणों के अनुसार यहां लंबे समय से कच्ची शराब बनाने और बेचने का कारोबार चल रहा था। इस मामले में चंदू राजपूत और मनीष लोधी के नाम सामने आए हैं। पुलिस एफआईआर में दोनों सहित 30 लोगों को आरोपी बनाया गया है और 14 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। ग्रामीणों का दावा है कि कच्ची शराब 20 से 30 रुपये में आसानी से उपलब्ध थी और पिछले दो-तीन महीनों में इसकी बिक्री और बढ़ गई थी। इससे वयस्कों के साथ बच्चे भी शराब पीने लगे थे। अब जांच एजेंसियों के सामने सवाल है कि यदि गांवों में खुले तौर पर यह कारोबार चल रहा था तो स्थानीय पुलिस और आबकारी अमला कार्रवाई से क्यों बचता रहा? गाँव वाले खुलकर राजनीति संरक्षण की बात कह रहे हैं ।

'सागर गोल्ड' की बोतलों तक खेल: मामले का एक और गंभीर पहलू कथित नकली पैकेजिंग का है। आरोप हैं कि अवैध शराब को सागर डिस्टलरी के 'सागर गोल्ड' ब्रांड जैसी बोतलों में भी बेचा गया। यदि नकली शराब को स्थापित ब्रांड की बोतलों और लेबल में भरकर बेचा गया तो यह अकेले गांवों में चल रहे कच्ची शराब के कारोबार का मामला नहीं रह जाता। इसमें पैकेजिंग, आपूर्ति, परिवहन और बिक्री की पूरी श्रृंखला की जांच जरूरी हो जाती है।

शिकायतें तो हुईं, लेकिन कार्रवाई कितनी?

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने प्रभावित गांवों का दौरा कर ग्रामीणों से बातचीत के बाद पुलिस-प्रशासन और सियासी सहयोग की भूमिका पर गंभीर सवाल उठाए हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि उन्होंने अवैध शराब कारोबारियों की शिकायतें पुलिस से की थीं, लेकिन कार्रवाई नहीं हुई। इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि जांच का विषय है। लेकिन यदि शिकायतें लिखित रूप में हुई थीं तो जांच का पहला सवाल होना चाहिए– शिकायत किस अधिकारी को मिली, उस पर क्या कार्रवाई हुई और कार्रवाई नहीं हुई तो क्यों? राजनीतिक संरक्षण के आरोप भी लगाए जा रहे हैं। इन आरोपों की पुष्टि के लिए शिकायतों, पुलिस रिकॉर्ड और प्रशासनिक पत्राचार की जांच जरूरी है।

अवैध और कच्ची शराब की सस्ती बिक्री का असर सरकारी शराब दुकानों पर भी पड़ने का दावा है। यदि वैध दुकानों की तुलना में अवैध शराब आधी कीमत पर बिकती रही तो यह कानून-व्यवस्था के साथ-साथ राज्य के राजस्व का भी मामला है। इसलिए सरकार को यह भी देखना चाहिए कि पिछले वर्षों में किन इलाकों में सरकारी शराब दुकानों की बिक्री घटी, किन ठेकेदारों ने लाइसेंस लौटाए और उन क्षेत्रों में अवैध शराब की शिकायतें कितनी थीं। सागर की त्रासदी का सच केवल मौतों की संख्या में नहीं छिपा है। असली सवाल यह है कि जहरीली शराब बनाने वाला कौन था, उसे बाजार तक पहुंचाने वाला कौन था, बेचने वाला कौन था और इतने लंबे समय तक उसे रोकने की जिम्मेदारी निभाने वाले कहां थे? अगर इन सवालों के जवाब ईमानदारी से खोजे गए, तभी मजिस्ट्रियल जांच महज रस्म अदायगी से आगे बढ़कर उस पूरे शराब माफिया तक पहुंच पाएगी जिसने सागर के गांवों को मौत के मुहाने पर खड़ा कर दिया।

न्यूज विंडो

4 राज्यों में उपचुनाव का ऐलान, 6 अक्टूबर को होगी वोटिंग

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने तमिलनाडु, पुडुचेरी और पश्चिम बंगाल की विधानसभा सीटों और असम की एक लोकसभा सीट पर उपचुनाव की तारीखों का ऐलान कर दिया है। इन सीटों पर 6 अक्टूबर को वोट डाले जाएंगे और 9 अक्टूबर को नतीजे आएंगे। कमीशन के मुताबिक, चुनाव की औपचारिक गजट अधिसूचना 9 सितंबर 2026 को जारी होगी। नामांकन दाखिल करने की आखिरी तारीख 16 सितंबर है।

टीकमगढ़ नपा अध्यक्ष का उपचुनाव स्थगित: आयोग ने जारी किया आदेश

टीकमगढ़। टीकमगढ़ नगर पालिका अध्यक्ष के उपचुनाव को राज्य निर्वाचन आयोग ने आगामी आदेश तक स्थगित कर दिया है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी विवेक श्रोतिय ने आज इसकी जानकारी दी। आयोग के आदेश के बाद 8 सितंबर से शुरू होने वाली नामांकन प्रक्रिया भी रद्द कर दी गई है। हालांकि, ग्रामीण पंचायतों के निर्वाचन पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार यथावत होंगे।

पटना : डिवाइडर से टकराई कार दंपती समेत तीन की मौत

मोकामा। पटना जिले के मोकामा में मंगलवार की सुबह फोरलेन पर भीषण सड़क हादसे में कार सवार दंपती समेत तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा इतना भयावह था कि तेज रफ्तार क्रेटा डिवाइडर से टकराने के बाद बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। टक्कर के बाद चालक का शव गाड़ी में ही फंस गया, जिसे काफी मशक्कत के बाद बाहर निकाला जा सका। घटना की सूचना मिलते ही मोकामा पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से कार में फंसे शवों को बाहर निकलवाया।

विदिशा के पूर्व एडीएम डामोर का हार्ट अटैक से निधन

विदिशा। विदिशा के पूर्व अपर कलेक्टर और 2019 बैच के आईएएस अधिकारी अनिल कुमार डामोर का आज सुबह हार्ट अटैक से निधन हो गया। सुबह अचानक तबीयत बिगड़ने पर उन्हें अटल बिहारी वाजपेयी शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय ले जाया गया। वहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। उनके निधन की खबर मिलते ही प्रशासनिक अधिकारियों और कर्मचारियों में शोक फैल गया।

आज का कार्टून

'हाउसफुल शो' में मोदी - मोदी की गूंज... वडोदरा से पीएम का यूपीए पर तंज, कहा-

वह टॉयलेट भी नहीं बना सके हम चिप से शिप तक बना रहे हैं

- पहली बार प्रधानमंत्री मोदी के कार्यक्रम के लिए हुई ऑनलाइन बुकिंग
- जेन जी के 6000 युवाओं ने एक घंटे में बुक कर लीं अपने लिए सीटें

वडोदरा, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज वडोदरा में युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि यूपीए सरकार ने विकास को रोक दिया था। हमने इसे गति दी है। यहां का फ्रेट कॉरिडोर इसका उदाहरण है। उन्होंने कहा कि फ्रेट कॉरिडोर से किसान का बहुत फायदा हुआ है। पुरानी सरकार 10 साल में 50 हजार टॉयलेट नहीं बना सकती थी, हम चिप से शिप तक बना रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि जवाहरलाल नेहरू पोर्ट ट्रस्ट (JNPT) मुंबई से डबल कंटेनर मालगाड़ी को चलाया गया है। इसके चलने से एक बार में 250 ट्रकों से ज्यादा सामान मुंबई से वडोदरा पहुंच गया। मोदी ने तंज कसा कि अब ये नाराज फूफाजी चिल्लाएंगे कि इन ट्रक वालों का क्या होगा। लेकिन अब सामान देश के एक कोने से दूसरे कोने तक पहुंच पाएगा। अब भारत में रेल वहां भी पहुंच रही है, जहां पहले नहीं पहुंची। पहले की यूपीए सरकार ने कुछ नहीं किया गया।

इससे पहले प्रधानमंत्री वडोदरा में नमो फॉर विकसित भारत कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम में पहुंचने पर वहां मौजूद युवाओं ने प्रधानमंत्री का गर्मजोशी से स्वागत किया। स्वागत समारोह के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 35000 करोड़ की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया।

नई थीम पर 'वाय' शेप में रहा मंच

वड़ोदरा में इस बार पीएम का स्टेज भी नई थीम पर डिजाइन किया गया था। मंच के साथ 'वाय' शेप में एक रैंप बनाया गया जिसके चारों ओर युवा बैठे थे। प्रधानमंत्री ने मोदी रैंप पर चलते हुए स्टूडेंट्स से बातचीत की। प्रधानमंत्री ने वडोदरा और आसपास के क्षेत्रों से जुड़े 35200 करोड़ रुपए के कई विकास प्रोजेक्ट्स का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इनमें न्यू साणंद , न्यू मकरपुरा, न्यू उमरगांव और न्यू जेएनपीटी, मुंबई से मालगाड़ी सेवाओं को हरी झंडी दिखाकर रवाना करना और टांडा रोड – वडोदरा (प्रतापनगर) के बीच नई पैसेंजर ट्रेन को भी हरी झंडी दिखाना शामिल है।

इंटर्न डॉक्टर्स का आंदोलन... सीएम हाउस के रास्ते बंद

ओपीडी में नहीं मिल रहा इलाज, ओटी का बहिष्कार

भोपाल, दोपहर मेट्रो

एमबीबीएस इंटर्न डॉक्टरों के स्टाइपेंड बढ़ाने की मांग को लेकर सोमवार सुबह से शुरू हुआ आंदोलन अब भी जारी है। पुलिस की कार्रवाई से नाराज इंटर्न डॉक्टरों ने आज प्रदेश के सरकारी अस्पतालों में ओपीडी बंद रखी है। इंदौर, रतलाम सहित अन्य शहरों के सरकारी अस्पतालों में भी इंटर्न डॉक्टर काम नहीं कर रहे हैं। इससे मरीजों को मिलने वाली नियमित स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित हुई हैं। हालांकि, इमरजेंसी सेवाएं चालू रखी गई हैं।

हमीदिया अस्पताल में प्रदर्शन के कारण ओपीडी पूरी तरह बंद है और ओटी का भी बहिष्कार किया जा रहा है। इलाज और जांच के लिए पहुंचे मरीजों को परेशानी हो रही है। अस्पताल के तीन गेटों में से फिलहाल सिर्फ गेट नंबर-2 खुला है। इमरजेंसी गेट बंद होने से इमरजेंसी मरीजों को भी इसी गेट से प्रवेश करना पड़ रहा है। इससे अस्पताल के बाहर ट्रैफिक का दबाव बढ़ गया है।

पुलिस बल तैनात

इंटर्नशिप कर रहे डॉक्टरों ने सड़क जाम कर विरोध जताया है। डॉक्टरों का कहना है कि मांगों को लेकर आधिकारिक बातचीत होने तक आंदोलन जारी रहेगा। इधर, पुलिस ने सीएम हाउस की ओर जाने वाले सभी रास्तों को बंद कर चौकसी बढ़ा दी है। अस्पताल परिसर और आसपास भी पुलिस बल तैनात है।

रातभर कमला पार्क पर डटे रहे डॉक्टर। पेज-3

हिंदू संगठन के दौरे के बाद बंद करना पड़ा एफिल टावर, महिला कर्मियों को काम से हटाने का आरोप

पेरिस। फ्रांस की राजधानी पेरिस में मशहूर एफिल टावर सोमवार को कर्मचारियों की हड़ताल के चलते बंद रहा। मामला शनिवार को हिंदू संगठन बोचासनवासी अक्षर पुरुषोत्तम स्वामीनारायण संस्था (BAPS) के करीब 100 सदस्यों के दौरे से जुड़ा है।

आरोप है कि BAPS प्रतिनिधिमंडल के आने से पहले कुछ महिला कर्मचारियों को अपनी जगह से हटने के लिए कहा गया, ताकि वहां पुरुष कर्मचारियों को तैनात किया जा सके। इस घटना से महिला कर्मचारी आहत हुईं। उन्हें यह अपमानजनक लगा। मामला बढ़ने के बाद सोमवार को कर्मचारियों ने बैठक की और मैनेजमेंट से बातचीत की। बात न बनने पर कर्मचारियों ने हड़ताल कर दी। इसके चलते एफिल टावर को बंद रखना पड़ा।

5 ठिकानों पर की गई कार्रवाई

जिम 365 डिग्री पर सीजीएसटी का छापा, एक करोड़ से ज्यादा की टैक्स चोरी का खुलासा

भोपाल, दोपहर मेट्रो। राजधानी में सेंट्रल जीएसटी (CGST) ने जिम 365 डिग्री के पांच ठिकानों पर छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान एक करोड़ रुपए से ज्यादा की टैक्स चोरी सामने आई है। टीम को जांच में पता चला कि जिम में बिल जारी नहीं किए जा रहे थे और इसी के जरिए टैक्स चोरी की जा रही थी।

जिम संचालक कुरैशी के चूनाभट्टी, कोहेफिजा, बावड़िया कलां, सिंधी कॉलोनी और जेके रोड स्थित प्रतिष्ठानों पर टीम ने कार्रवाई की। जांच में सामने आया कि सितंबर 2025 में जीएसटी नियमों में बदलाव के बाद इन संस्थाओं के लिए टैक्स क्रेडिट की व्यवस्था खत्म कर दी गई है। इसके बाद ऐसे प्रतिष्ठानों को 5 प्रतिशत जीएसटी देना होता है। आरोप है कि जिम संचालक की ओर से यह टैक्स जमा नहीं किया जा रहा था। इससे पहले इन प्रतिष्ठानों पर 18 प्रतिशत जीएसटी लिया जाता था।

मेट्रो एंकर आर्थिक तंगी नहीं रोक सकी सपनों की उड़ान, बिना कोचिंग क्रैक की कठिन परीक्षा

मोबाइल नेटवर्क के लिए पहाड़ पर चढ़ीं, नीट पास... डॉक्टर बनेंगी दो बहनें

भुवनेश्वर/ नई दिल्ली, एजेंसी

सपनों को पंख देने के लिए सिर्फ बड़े शहरों की महंगी कोचिंग या हाई-स्पीड वाई-फाई की जरूरत नहीं होती। इरादे पक्के हों तो पहाड़ों की चोटियों पर भी भविष्य की नींव रखी जा सकती है। ओडिशा के मयूरभंज जिले के एक छोटे से गांव महुलापंखा की 2 बहनों- यज्ञसेनी और दिव्यसेनी खतुआ ने यह सच कर दिखाया है। मामूली किसान और आंगनबाड़ी सहायिका की इन बेटियों ने बिना किसी प्राइवेट कोचिंग के देश की सबसे कठिन परीक्षाओं में से एक नीट क्रैक कर ली है।

गांव में मोबाइल नेटवर्क की भारी किल्लत थी। लेकिन पढ़ाई का जुनून ऐसा था कि दोनों बहनें- यज्ञसेनी और दिव्यसेनी खतुआ नेटवर्क ढूंढने के लिए घर से दूर पहाड़ियों पर चढ़ जाती थीं। कड़ी धूप और मुश्किल हालात में पहाड़ों पर बैठकर ऑनलाइन पढ़ाई करने वाली इन बहनों का चयन मेडिकल की पढ़ाई के लिए हो गया है। बड़ी बहन नीट के तीसरे प्रयास में सफल हुई, वहीं छोटी बहन ने पहली ही बार में नीट निकालकर साबित कर दिया कि असली लगन किसी भी आर्थिक तंगी से बड़ी होती है।

दोनों बहनों के पिता गौरांग खतुआ खेती-किसानी करके परिवार का पेट पालते हैं और मां सुनीता आंगनबाड़ी में सहायिका का काम करती हैं। इतनी कम आमदनी में घर का खर्च चलाना ही किसी चुनौती से कम नहीं था। ऐसे में नीट जैसी मेडिकल प्रवेश परीक्षा के लिए कोचिंग फीस देना इस परिवार के लिए नामुमकिन था। आर्थिक तंगी के कारण कोचिंग का रास्ता बंद हो गया तो दोनों बहनों ने सेल्फ स्टडी और इंटरनेट का सहारा लिया। लेकिन चुनौती यहीं खत्म नहीं हुई। उनके गांव में मोबाइल नेटवर्क बेहद खराब रहता था। ऑनलाइन क्लास अटेंड करना या स्टडी मटीरियल डाउनलोड करना मुश्किल होता था। इसलिए दोनों बहनें किताबें और मोबाइल लेकर गांव के पास स्थित पहाड़ियों पर निकल जाती थीं। पहाड़ी की ऊंचाई पर जहां बेहतर नेटवर्क मिलता, वहीं बैठकर वे घंटों पढ़ाई करती थीं। मौसम चाहे कैसा भी हो, उनका यह सिलसिला कभी नहीं रुका। बड़ी बहन यज्ञसेनी लगातार मेहनत करती रही और आखिरकार अपने तीसरे प्रयास में नीट परीक्षा पास कर ली। वहीं, छोटी बहन दिव्यसेनी अपनी बड़ी बहन के अनुभवों और गाइडेंस से सीखते हुए पहले ही प्रयास में सफल हुई।

सरकार की योजना और हकीकत

दूरसंचार विभाग के आंकड़े बताते हैं कि देश में आज भी सैकड़ों गांव ऐसे हैं, जहां मोबाइल नेटवर्क या तो बेहद कमजोर है या पहुंचा ही नहीं है। खासकर पहाड़ी, आदिवासी और घने जंगलों वाले इलाकों में। शायद इसीलिए झारखंड, छत्तीसगढ़, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड से भी 'नेटवर्क के लिए पहाड़ी चढ़ने' जैसी खबरें समय-समय पर आती रही हैं। यानी ये सिर्फ मयूरभंज की कहानी नहीं है। केंद्र सरकार ने नेटवर्क की समस्या को दूर करने के लिए भारतनेट परियोजना 2011 में शुरू की थी। लेकिन योजना कागज पर जितनी आगे बढ़ी है, गांवों तक उसका असर उतनी तेजी से नहीं पहुंचा है। इन दो बहनों को पढ़ाई के लिए घर छोड़कर पहाड़ी की चोटी तक जाना पड़ा इसी फासले की एक तस्वीर है।

भानपुर चौराहे पर बढ़ते अतिक्रमण से रोज लग रहा घंटों जाम, वाहन चालक हो परेशान

भोपाल। दोपहर मेट्रो

शहर के भानपुर चौराहे और विदिशा रोड पर इन दिनों अतिक्रमण की समस्या लगातार गंभीर होती जा रही है। सुबह से लेकर शाम तक व्यापारियों द्वारा दुकानों का सामान सड़क तक फैलाकर रखने के कारण मुख्य मार्ग संकरा हो गया है। इसका सीधा असर यातायात व्यवस्था पर पड़ रहा है और आए दिन वाहन चालकों को घंटों जाम में फंसकर परेशान होना पड़ रहा है।

स्थानीय लोगों के अनुसार भानपुर चौराहे के आसपास दिन-ब-दिन अतिक्रमण बढ़ता जा रहा है। सड़क किनारे लगने वाली दुकानें और व्यापारिक गतिविधियां धीरे-धीरे सड़क के हिस्से तक पहुंच गई हैं। कई स्थानों पर पैदल चलने वाले लोगों के लिए भी पर्याप्त जगह नहीं बचती, जिसके कारण उन्हें मजबूरी में सड़क पर चलना पड़ता है। इससे दुर्घटना की आशंका भी बनी रहती है।

पीक ऑवर में हालात सबसे ज्यादा खराब : सुबह कार्यालय और स्कूल-कॉलेज जाने के समय तथा शाम को बाजार के व्यस्त समय में यहां यातायात का दबाव बढ़ जाता है। सड़क के दोनों ओर अतिक्रमण होने से वाहनों को निकलने में परेशानी होती है और देखते ही देखते लंबा जाम लग जाता है। जाम में फंसे लोगों को कुछ दूरी तय करने में भी काफी समय लग जाता है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि भानपुर चौराहा शहर के प्रमुख मार्गों में शामिल है और यहां से प्रतिदिन बड़ी संख्या में छोटे-बड़े वाहन गुजरते हैं। इसके बावजूद अतिक्रमण पर प्रभावी कार्रवाई नहीं होने से समस्या लगातार बढ़ रही है।

स्क्रीन शेयरिंग के जरिए बैंकिंग डिटेल पर नजर, एफडी तुड़वाकर 30 मिनट में तीन ट्रांजेक्शन से रकम साफ

राजधानी में बिना ओटीपी-पिन बताए साइबर डाका, बुजुर्ग की एफडी से 6 लाख रुपए पार

भोपाल। दोपहर मेट्रो

साइबर ठगों ने बैंक खातों को निशाना बनाने का नया तरीका खोज निकाला है। अब सेविंग अकाउंट के साथ फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) भी ठगों के निशाने पर हैं। भोपाल में 61 वर्षीय शरीफ अहमद कुरैशी की करीब छह लाख रुपए की एफडी को साइबर ठगों ने महज 30 मिनट में खाली कर दिया। खास बात यह है कि पीड़ित के मुताबिक उन्होंने किसी को ओटीपी, पिन या पासवर्ड साझा नहीं किया था।

ऐशबाग की अफकार कॉलोनी निवासी शरीफ अहमद का अशोका गार्डन स्थित आईसीआईसीआई बैंक में खाता है। 4 सितंबर को दोपहर 12 से 12:30 बजे के बीच उनके खाते से नेट बैंकिंग के जरिए तीन ट्रांजेक्शन किए गए। ठगों ने पहले एफडी तुड़वाकर रकम सेविंग अकाउंट में ट्रांसफर की और इसके बाद करीब 5,99,009 रुपए दूसरे खाते में भेज दिए।

मोबाइल पर ट्रांजेक्शन के मैसेज आते ही पीड़ित ने तुरंत साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत की। इसके बाद ई-जीरो एफआईआर के जरिए ऐशबाग पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया।

साइबर एक्सपर्ट्स के अनुसार, ठग रिफंड, बैंक अपडेट या किसी योजना का झांसा देकर रिमोट एक्सेस अथवा स्क्रीन शेयरिंग एप डाउनलोड करा सकते हैं। इसके बाद बैंकिंग एप खुलवाकर पिन डालने के दौरान स्क्रीन देख लेते हैं और इसी जानकारी का इस्तेमाल कर रकम उड़ा सकते हैं। पुलिस बैंक से ट्रांजेक्शन डिटेल और लाभार्थी खाते की जानकारी जुटा रही है।

एफडी बनी ठगों का नया निशाना, ऐसे साफ हुई रकम

साइबर ठगी के मामलों में अब जालसाजों ने एफडी को भी निशाना बनाना शुरू कर दिया है। पहले जहां ठग सीधे सेविंग अकाउंट से रकम निकालने की कोशिश करते थे, वहीं अब बैंकिंग एप के जरिए एफडी तुड़वाकर पैसा सेविंग खाते में लाने का रास्ता अपनाया जा रहा है। भोपाल के मामले में भी इसी तरह करीब छह लाख रुपए की एफडी तोड़ी गई। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, ठग पहले पीड़ित को किसी रिफंड, बैंक अपडेट या अन्य बहाने से संपर्क कर सकते हैं। इसके बाद मोबाइल में रिमोट एक्सेस या स्क्रीन शेयरिंग एप डाउनलोड करवाया जाता है। बैंकिंग एप खुलवाकर पिन या पासवर्ड डालने के दौरान दूसरी तरफ बैठे ठग स्क्रीन देख लेते हैं। इसके बाद एफडी तोड़कर रकम सेविंग अकाउंट में लाई जाती है और कुछ ही मिनटों में अलग-अलग ट्रांजेक्शन के जरिए दूसरे खाते में भेज दी जाती है। इस पूरे खेल में पीड़ित को कई बार ठगी का पता तब चलता है, जब बैंक से ट्रांजेक्शन के मैसेज आने लगते हैं।

30 मिनट में तीन ट्रांजेक्शन, मैसेज आते ही मचा हड़कंप

4 सितंबर को दोपहर करीब 12 बजे से 12:30 बजे के बीच शरीफ अहमद कुरैशी के खाते में लगातार बैंकिंग ट्रांजेक्शन हुए। पीड़ित के अनुसार उन्होंने किसी को ओटीपी, पिन या पासवर्ड नहीं बताया था। इसके बावजूद साइबर ठगों ने उनकी करीब छह लाख रुपए की एफडी को निशाना बना लिया। एफडी तोड़ने के बाद रकम सेविंग अकाउंट में पहुंची और वहां से तीन ट्रांजेक्शन में करीब 5,99,009 रुपए दूसरे खाते में ट्रांसफर कर दिए गए। मोबाइल पर बैंकिंग ट्रांजेक्शन के मैसेज पहुंचने के बाद पीड़ित को मामले की जानकारी हुई। उन्होंने बिना देर किए साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत की। शिकायत के आधार पर साइबर सेल ने ई-जीरो एफआईआर जनरेट कर ऐशबाग थाने भेजी। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज किया है। अब बैंक से ट्रांजेक्शन की पूरी जानकारी और रकम जिस खाते में पहुंची, उसकी डिटेल मांगी गई है। पुलिस उस खाते को फ्रीज कराने की प्रक्रिया भी आगे बढ़ा रही है।

चचेरा भाई और ड्राइवर चार दिन की पुलिस रिमांड पर

फर्जी आईएएस तृप्ति और भाई को कोर्ट ने न्यायिक हिरासत में भेजा

भोपाल। दोपहर मेट्रो

अशोकनगर जिले के चंदेरी में चार युवाओं से सरकारी नौकरी दिलाने के नाम पर करीब 9.80 लाख रुपये और मूल दस्तावेज ठगने के मामले में गिरफ्तार 30 वर्षीय तृप्ति सिंह राजपूत और उसके भाई को सोमवार को अदालत ने न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

वहीं तृप्ति के चचेरे भाई प्रखर और ड्राइवर को चार दिन के पुलिस रिमांड पर भेजा गया है। चारों आरोपियों को प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट शरद जायसवाल की अदालत में पेश किया गया था। पुलिस ने चारों की रिमांड मांगी थी। सुनवाई के दौरान तृप्ति के अधिवक्ता ने अदालत को बताया कि तृप्ति और उसके भाई से पहले ही पुलिस रिमांड के दौरान पूछताछ की जा चुकी है। ऐसे में उन्हें दोबारा पुलिस रिमांड पर भेजने की जरूरत नहीं है। अदालत ने तर्क को स्वीकार करते हुए दोनों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया। जबकि प्रखर और ड्राइवर से पूछताछ के लिए चार दिन की पुलिस रिमांड मंजूर की गई।

फर्जी आईडी से लेकर नियुक्ति पत्र तक

तृप्ति पर खुद को आईएएस अधिकारी और मध्य प्रदेश पर्यटन विभाग की अतिरिक्त निदेशक बताकर लोगों को सरकारी नौकरी और पर्यटन संपत्तियों की लीज दिलाने के नाम पर ठगी करने का आरोप है। जांच में पुलिस को उसके पास से फर्जी सीबीआई आईडी कार्ड, भारत सरकार लिखी कार, जाली दस्तावेज और मसूरी में ट्राफी के साथ खिंचवाई गई फर्जी तस्वीरें मिली हैं।

एआई टूल्स की जांच पर फोकस

पुलिस को आशंका है कि तृप्ति ने अपना रसूख कायम करने और अधिकारियों व लोगों को प्रभावित करने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और फोटो एडिटिंग टूल का इस्तेमाल किया। पूछताछ में सामने आया कि वह एआई की मदद से सरकारी नौकरी के फर्जी नियुक्ति पत्र तैयार करती थी। इसके बाद डिजिटल फाइलों को डिलीट कर देती थी।

पुलिस लाइन अब नहीं 'लूप लाइन': हवलदार से निरीक्षक तक को मिली केस डायरी

भोपाल। दोपहर मेट्रो

भोपाल की पुलिस लाइन को अब केवल अटैचमेंट या आरामगाह की जगह नहीं माना जाएगा। भोपाल पुलिस आयुक्त संजय कुमार ने पुलिस लाइन की कार्यप्रणाली में बड़ा बदलाव करते हुए प्रधान आरक्षक से लेकर निरीक्षक स्तर तक के अधिकारियों और कर्मचारियों को सीधे विवेचना की जिम्मेदारी सौंप दी है। इस व्यवस्था के तहत पुलिस लाइन में पदस्थ 44 अधिकारी और कर्मचारियों को थानों में लंबित मामलों की केस डायरी दी गई है। खासकर ये डायरी धोखाधड़ी के अपराधों की हैं। सभी को निर्धारित समय सीमा में विवेचना पूरी कर चालान पेश करना होगा।

अधिकारियों का मानना है कि इस कदम से जहां लंबित मामलों का जल्द निराकरण होगा, वहीं पुलिस लाइन में कार्य संस्कृति भी पूरी तरह बदल जाएगी।

पुलिस लाइन को अभी तक लूपलाइन माना जाता रहा है। पुलिस लाइन को ऐसे स्थान के रूप में देखा जाता था, जहां फील्ड से हटाए गए या नई पोस्टिंग का इंतजार कर रहे अधिकारी-कर्मचारी अपेक्षाकृत कम जिम्मेदारी निभाते थे। कई बार यहां तैनाती को आरामदायक पोस्टिंग भी माना जाता था। लेकिन पुलिस कमिश्नर के इस फैसले ने यह धारणा बदलने की शुरुआत कर दी है। अब पुलिस लाइन में बैठने वाले हर अधिकारी और कर्मचारी को सक्रिय पुलिसिंग का हिस्सा बनना होगा। पुलिस आयुक्त संजय कुमार के अनुसार, नई व्यवस्था का सबसे बड़ा उद्देश्य पुलिस बल में उपलब्ध अनुभवी मानव संसाधन का बेहतर उपयोग करना है। पुलिस लाइन में ऐसे कई अधिकारी और कर्मचारी पदस्थ हैं, जिन्होंने वर्षों तक थानों में विवेचना और कानून-व्यवस्था का काम किया है। अब उनके अनुभव का उपयोग लंबित मामलों के निपटारे में किया जाएगा।

अफसरों को देनी होगी 'परफार्मेंस रिपोर्ट', काम ठीक नहीं तो होगा ट्रांसफर

भोपाल। मप्र के भोपाल शहर में कमिश्नर और कलेक्टर कॉन्फ्रेंस 15 सितंबर के बाद होगी। इसमें प्रत्येक संभागायुक्तों व कलेक्टरों को परफार्मेंस के आधार पर परखा जाएगा। जिनका काम ठीक नहीं होगा, उनका तबादला तय है। कॉन्फ्रेंस में केंद्र व राज्य की महत्वपूर्ण योजनाओं समेत 105 बिंदुओं पर आधारित समीक्षा होगी, पिछड़े जिले के कलेक्टरों को कारण बताने होंगे। हर बार की तुलना में उक्त कॉन्फ्रेंस में कई अलग बिंदुओं पर बात होगी। प्रत्येक संभागायुक्तों व कलेक्टरों को अपने संभाग व जिले में किए कामों, नवाचारों का ब्योरा देने के साथ अलग से उनके कार्यकाल में किए गए कामों का अलग से प्रजेंटेशन देना होगा।

500 रुपये के असली नोट दिखाकर थमा दी नकली गड्डी, ठग ने बुजुर्ग महिला उतरवाए सोने के जेवर

भोपाल। दोपहर मेट्रो

कोतवाली थाना क्षेत्र में एक बुजुर्ग महिला को निशाना बनाकर ठगी का मामला सामने आया है। नरसिंहगढ़ से इलाज कराने भोपाल आई 62 वर्षीय अशरफी बाई को दो शातिर जालसाजों ने डरा-धमाकर और नोटों की गड्डी का लालच देकर उनके सोने के जेवर पार कर दिए।

जालसाज इतने शातिर थे कि उन्होंने पीड़ित महिला को भरोसा दिलाने के लिए गड्डी में से निकालकर 500-500 रुपये के तीन असली नोट भी खर्च किए,लेकिन बाद में बुजुर्ग महिला को जो पोटली थमाई, उसमें नोटों की जगह केवल रद्दी कागज निकले। पुलिस के अनुसार, नरसिंहगढ़ निवासी अशरफी बाई 3 सितंबर को इलाज कराने हमीदिया अस्पताल आई थीं। डाक्टर को दिखाने के बाद जब वह मेडिकल स्टोर पर दवा ले रही थीं, तभी करीब 30 वर्ष का एक युवक और 16-17 साल का किशोर उनके पीछे लग गए। मदद का झांसा देकर आरोपित ने महिला का बैग अपने हाथ में ले लिया और उन्हें पैदल नक्कारखाना गेट की ओर ले आए। जहां पहुंचते ही शातिर ठग ने अकेली बुजुर्ग महिला को अपनी बातों में उलझाना शुरू किया। आरोपित ने महिला में खौफ पैदा करते हुए कहा कि इलाके में बदमाश घूम रहे हैं, जो उनके सोने के जेवर छीन सकते हैं। महिला को बुरी तरह डराने के बाद ठग ने कपड़े में लिपटी 500 रुपये के नोटों की गड्डी दिखाई। महिला का विश्वास जीतने के लिए आरोपित ने साथ मौजूद किशोर को अपना बेटा बताया और गड्डी में से 500-500 रुपये के तीन नोट निकालकर बेटे के लिए सामान खरीदा। इस तरकीब से महिला को यकीन हो गया कि गड्डी में असली नोट ही हैं। इसके बाद घबराई हुई महिला से आरोपित ने मंगलसूत्र और कान के टाप्स उतरवा लिए और बदले में कागजों का पुलिंदा थमाकर ऑटो में बैठा दिया।

भोपाल के पास सड़क पर दिखा बाघ ड्रोन और डॉग स्क्वॉड से तलाश जारी

भोपाल। दोपहर मेट्रो

राजधानी के पास ओबेदुल्लागंज में रविवार रात एक बाघ सड़क पार करता नजर आया। टोल बैरियर रोड के पास से गुजर रहे वाहन चालकों ने बाघ का वीडियो बना लिया, जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। बाघ की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद वन विभाग ने सोमवार को उसकी तलाश के लिए बड़े स्तर पर अभियान चलाया। वन विभाग की टीम ने बाघ को खोजने के लिए ड्रोन और डॉग स्क्वॉड की मदद ली। हालांकि, सोमवार देर शाम तक बाघ का पता नहीं चल सका। अधिकारियों को मौके पर बाघ के पगमार्क जरूर मिले हैं। वन विभाग के अधिकारियों के मुताबिक बाघ के अंतिम पगमार्क से उसके संकेत मिले हैं। इसके बाद टीम ने संबंधित इलाके में सर्चिंग बढ़ा दी है। वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि बाघ की तलाश के लिए वन विभाग की टीम लगातार काम कर रही है। अभी तक सिर्फ उसके पगमार्क इंडस्ट्री एरिया की तरफ जाते मिले हैं। ड्रोन के साथ डॉग स्क्वॉड की मदद भी ली जा रही है, लेकिन बाघ को अभी तक लोकेट नहीं किया जा सका है। बाघ का जो वीडियो सामने आया है, उसमें वह सड़क पार करने की कोशिश करता दिखाई दे रहा है। कुछ दूरी तक आगे बढ़ने के बाद वह वापस मुड़ता है और सड़क किनारे की ओर चला जाता है। वीडियो सामने आने के बाद आसपास के इलाकों में बाघ की मौजूदगी को लेकर लोगों में चिंता बढ़ गई है।

मेट्रो एंकर 27 सितंबर से शुरू होगी सेवा, भोपाल समेत नर्मदापुरम, इटारसी, जबलपुर के यात्रियों को राहत

पितृपक्ष में गया के लिए रानी कमलापति से चलेगी 3 स्पेशल ट्रेनें

भोपाल। दोपहर मेट्रो

पितृपक्ष में गया जाकर पिंडदान और तर्पण करने वाले यात्रियों के लिए रेलवे ने बड़ी राहत दी है। यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए रानी कमलापति-गया-रानी कमलापति के बीच तीन ट्रिप स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया गया है। इससे भोपाल सहित नर्मदापुरम, इटारसी, पिपरिया, नरसिंहपुर और जबलपुर के यात्रियों को गया जाने के लिए अतिरिक्त रेल सुविधा मिलेगी।

रेलवे के अनुसार गाड़ी संख्या 01661 रानी कमलापति-गया स्पेशल 27 सितंबर, 2 अक्टूबर और 7 अक्टूबर को रानी कमलापति स्टेशन से दोपहर 3:20 बजे रवाना होगी। ट्रेन

नर्मदापुरम शाम 4:34 बजे और इटारसी शाम 5:05 बजे पहुंचेगी। इसके बाद अगले दिन दोपहर 2:30 बजे गया पहुंचेगी। वापसी में गाड़ी संख्या 01662 गया-रानी कमलापति स्पेशल 30 सितंबर, 5 अक्टूबर और 10 अक्टूबर को गया से रवाना होगी। ट्रेन अगले दिन दोपहर 2:05 बजे इटारसी, 2:43 बजे नर्मदापुरम और शाम 4:15 बजे रानी कमलापति पहुंचेगी। स्पेशल ट्रेन से पितृपक्ष के दौरान नियमित ट्रेनों में यात्रियों का दबाव कम होने की उम्मीद है। ट्रेन में कुल 24 कोच होंगे, जिनमें 12 स्लीपर, 4 सामान्य, 4 एसी थर्ड और 2 एसी सेकंड क्लास के कोच शामिल हैं। ट्रेन का ठहराव पिपरिया, नरसिंहपुर, जबलपुर, कटनी, मैहर, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, मिर्जापुर, पं. दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन, सासाराम और डेहरी-आन-सोन समेत कई स्टेशनों पर रहेगा।

रानी कमलापति से गया जाने वाली ट्रेन

गाड़ी संख्या 01661 रानी कमलापति-गया स्पेशल 27 सितंबर, 2 अक्टूबर और 7 अक्टूबर को चलेगी। यह ट्रेन रानी कमलापति से दोपहर 3:20 बजे रवाना होगी। नर्मदापुरम में इसका समय 4:34 बजे और इटारसी में 5:05 बजे रहेगा। अगले दिन दोपहर 2:30 बजे ट्रेन गया पहुंचेगी। गाड़ी संख्या 01662 गया-रानी कमलापति स्पेशल 30 सितंबर, 5 अक्टूबर और 10 अक्टूबर को चलेगी। गया से रवाना होने के बाद ट्रेन अगले दिन 2:05 बजे इटारसी, 2:43 बजे नर्मदापुरम और शाम 4:15 बजे रानी कमलापति पहुंचेगी। पितृपक्ष के दौरान गया जाने वाले यात्रियों को इन तारीखों के अनुसार यात्रा की योजना बनाने में सुविधा मिलेगी। स्पेशल सेवा शुरू होने से नियमित ट्रेनों में भीड़ का दबाव कम होने की उम्मीद है। पितृपक्ष स्पेशल ट्रेन में यात्रियों की अलग-अलग जरूरतों को ध्यान में रखते हुए कुल 24 कोच लगाए जाएंगे। इनमें 12 स्लीपर, 4 सामान्य श्रेणी, 4 वातानुकूलित तृतीय श्रेणी और 2 वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी के कोच शामिल हैं। इसके अलावा 2 एसएलआर/डी कोच भी रहेंगे। ट्रेन का ठहराव कई प्रमुख स्टेशनों पर दिया गया है। रानी कमलापति से गया के बीच ट्रेन नर्मदापुरम, इटारसी, पिपरिया, नरसिंहपुर, जबलपुर, सिहोरा रोड, कटनी, मैहर और सतना में रुकेगी। आगे मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, मिर्जापुर और पं. दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन समेत कई स्टेशनों पर भी ठहराव रहेगा।

लाठीचार्ज से भड़का डॉक्टरों का गुस्सा, सड़कों पर उतरे इंटर्न, आज ओपीडी-ओटी का बहिष्कार

रात भर कमला पार्क की सड़क पर डटे रहे इंटर्न, जेडीए ने दिया आंदोलन का साथ

स्टाइपेंड बढ़ाने की मांग पर अड़े एमबीबीएस इंटर्न

भोपाल, दोपहर मेट्रो

एमबीबीएस इंटर्न डॉक्टरों के बढ़े हुए स्टाइपेंड की मांग को लेकर राजधानी भोपाल में शुरू हुआ आंदोलन मंगलवार को और तेज हो गया। मुख्यमंत्री निवास की ओर मार्च के दौरान पुलिस द्वारा लाठीचार्ज और वॉटर कैनन के इस्तेमाल के बाद इंटर्न डॉक्टरों में भारी नाराजगी है। विरोध में डॉक्टर रातभर कमला पार्क की सड़क पर डटे रहे। अब इस आंदोलन को जूनियर डॉक्टर एसोसिएशन (जेडीए) का भी समर्थन मिल गया है। जेडीए ने मंगलवार को हमीदिया अस्पताल में नियमित ओपीडी और निर्धारित ओटी के बहिष्कार का ऐलान किया है। हालांकि, मरीजों की आपातकालीन सेवाएं जारी रखने की बात कही गई है।

इंटर्न डॉक्टरों का कहना है कि उन्हें लंबे समय से स्टाइपेंड में बढ़ोतरी की मांग को लेकर आश्वासन दिए जा रहे हैं, लेकिन अब वे केवल आश्वासन नहीं, बल्कि ठोस निर्णय चाहते हैं। जेडीए मध्यप्रदेश के उपाध्यक्ष अनुराग भारती ने देर रात बताया कि कलेक्टर और सीएमई के साथ बातचीत हुई, लेकिन वार्ता के बावजूद इंटर्न डॉक्टर अपनी मांगों से पीछे हटने को तैयार नहीं हैं।

डॉक्टरों की प्रमुख मांग स्टाइपेंड में तत्काल बढ़ोतरी है। इसके साथ ही प्रदर्शन के दौरान पुलिस कार्रवाई की जांच और लाठीचार्ज तथा वॉटर कैनन के इस्तेमाल के लिए जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग भी जोर पकड़ रही है।

पुलिस कार्रवाई के बाद आंदोलन को मिला नया समर्थन

पुलिस कार्रवाई के विरोध में अब मेडिकल क्षेत्र से जुड़े अन्य संगठन भी खुलकर सामने आने लगे हैं। मेडिकल टीचर्स एसोसिएशन मध्यप्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राकेश मालवीय देर रात प्रदर्शन स्थल पर पहुंचे और इंटर्न डॉक्टरों से मुलाकात की। उन्होंने शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे डॉक्टरों पर बल प्रयोग किए जाने पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि यह घटना चिकित्सक समुदाय के लिए बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है और इसे डॉक्टरों के लिए काला दिन बताया। उनका कहना है कि यदि इंटर्न डॉक्टरों की मांगों का जल्द समाधान नहीं हुआ तो प्रदेश का पूरा चिकित्सक समुदाय उनके समर्थन में खड़ा हो सकता है। इंटर्न डॉक्टरों के आंदोलन में अब अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने भी पुलिस कार्रवाई पर सवाल उठाए हैं। संगठन ने डॉक्टरों पर लाठीचार्ज और वॉटर कैनन के इस्तेमाल की निंदा करते हुए पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है।

यूएई में गूंजा मप्र का निवेश मंत्र, सीएम मोहन ने उद्योगपतियों को किया आकर्षित, बोले-

मध्यप्रदेश-दुबई के बीच सहज और मजबूत संबंध, निवेश करें, सरकार नहीं करेगी निराश

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश और दुबई के बीच सहज और मजबूत संबंध हैं। मध्यप्रदेश दुबई का भरोसेमंद साथी बनकर संभावनाओं और अवसरों के साथ खड़ा है। उन्होंने दुबई के निवेशकों से मध्यप्रदेश में निवेश का आह्वान करते हुए कहा कि राज्य की औद्योगिक नीतियां पारदर्शी और निवेशक अनुकूल हैं। हमारी नीति, नीयत, नेतृत्व और पूरी सरकार निवेशकों के स्वागत के लिए तैयार है। निवेशक बिना संकोच मध्यप्रदेश में निवेश करें, सरकार उन्हें कभी निराश नहीं करेगी।मुख्यमंत्री संयुक्त अरब अमीरात प्रवास के दूसरे दिन दुबई वर्ल्ड ट्रेड सेंटर में आयोजित एआईएम कांग्रेस-2026 के दौरान विशेष 'इन्वेस्टमेंट डेस्टिनेशन-मध्यप्रदेश' सत्र को संबोधित कर रहे थे। सत्र में यूएई के फॉरेन ट्रेड मिनिस्टर डॉ. थानी बिन अहमद अल जेयूदी, यूएई में भारत के उच्चायुक्त डॉ. दीपक मित्तल सहित बड़ी संख्या में उद्योगपति, निवेशक और इंडस्ट्री पार्टनर मौजूद रहे।

डॉ. यादव ने कहा कि दुबई वैश्विक निवेश और नवाचार का प्रमुख केंद्र है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में मध्यप्रदेश देश-विदेश के निवेशकों के लिए दीर्घकालिक और विश्वसनीय साझेदारी के नए अवसर उपलब्ध करा रहा है। पारदर्शी नीतियों, आकर्षक योजनाओं और मजबूत औद्योगिक आधारभूत संरचना के कारण प्रदेश निवेश के लिए अनुकूल वातावरण तैयार कर रहा है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में प्रचुर प्राकृतिक संसाधन और कुशल मानव संसाधन उपलब्ध हैं। तेजी से विकसित होती औद्योगिक अधोसंरचना और बढ़ती अर्थव्यवस्था ने प्रदेश को देश के प्रमुख निवेश गंतव्यों में शामिल किया है।

बेहतर कनेक्टिविटी, बड़ा बाजार

मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश देश के केंद्र में स्थित होने के कारण सभी प्रमुख बाजारों से बेहतर तरीके से जुड़ा है। दिल्ली-मुंबई औद्योगिक गलियारा, रेल नेटवर्क और आधुनिक लॉजिस्टिक्स सुविधाएं प्रदेश को निर्यात एवं वितरण के लिए महत्वपूर्ण बनाती हैं। राज्य एक हजार किलोमीटर के दायरे में देश की करीब 60 प्रतिशत आबादी तक आसान पहुंच उपलब्ध कराता है। उन्होंने कहा कि पीथमपुर और मंडीदीप जैसे औद्योगिक केंद्र राष्ट्रीय कंपनियों के पसंदीदा केंद्र बने हुए हैं। टेक्सटाइल के क्षेत्र में चंदेरी और महेश्वरी जैसी पारंपरिक पहचान के साथ आधुनिक वस्त्र उद्योग के लिए भी बड़े अवसर हैं। इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑप्टिकल फाइबर, डिजिटल विनिर्माण, हरित ऊर्जा और भविष्य की तकनीकों के लिए भी मजबूत औद्योगिक तंत्र तैयार किया जा रहा है।

यूएई-मध्यप्रदेश सहयोग को मिलेगी नई रफ्तार

यूएई के फॉरेन ट्रेड मिनिस्टर डॉ. थानी ने कहा कि भारत यूएई का पुराना और महत्वपूर्ण आर्थिक साझेदार है। उन्होंने मध्यप्रदेश को प्राकृतिक संसाधनों और कुशल मानव संसाधन से समृद्ध बताते हुए कहा कि यूएई प्रदेश की क्षमताओं को वैश्विक निवेशकों से जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने उम्मीद जताई कि जनवरी में होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2027 के दौरान मध्यप्रदेश और यूएई के व्यापारिक संबंधों को नई गति मिलेगी।

एमपी को बताया विकास का ग्रोथ इंजन

यूएई में भारत के उच्चायुक्त डॉ. दीपक मित्तल ने कहा कि भारत की विकास यात्रा में मध्यप्रदेश महत्वपूर्ण ग्रोथ इंजन की भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश कई वर्षों से अपनी जीडीपी वृद्धि दर को 12 प्रतिशत से अधिक बनाए हुए है। भारत और यूएई के बीच व्यापार और निवेश लगातार मजबूत हो रहे हैं और मध्यप्रदेश इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

सीईपीए से बढ़ेंगे व्यापारिक अवसर

औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन के अपर मुख्य सचिव नीरज मंडलोई ने मध्यप्रदेश की अर्थव्यवस्था, निवेश नीतियों और औद्योगिक आधारभूत संरचना पर प्रस्तुतीकरण दिया। उन्होंने खाद्य प्रसंस्करण, टेक्सटाइल, नवीकरणीय ऊर्जा, लॉजिस्टिक्स, खनन और पर्यटन को निवेश के प्रमुख क्षेत्र बताया। उन्होंने दुबई और मध्यप्रदेश के बीच व्यापारिक अवसरों को सीईपीए के माध्यम से और मजबूत करने पर जोर दिया। सत्र में मध्यप्रदेश की निवेश संभावनाओं पर आधारित ऑडियो-विजुअल फिल्म भी प्रदर्शित की गई।

ई-प्रवेश 2026-27 के आंकड़े आए सामने

कॉलेजों में 6.14 लाख के पार एडमिशन, यूजी में उछाल, बीएड जैसे पाठ्यक्रम में रुझान कम

भोपाल, दोपहर मेट्रो

उच्च शिक्षा विभाग के ई-प्रवेश पोर्टल के माध्यम से प्रदेश के कॉलेजों में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए एडमिशन के अंतिम आंकड़े सामने आ गए हैं। इस साल कुल मिलाकर छात्रों का रुझान उच्च शिक्षा की ओर बढ़ा है, लेकिन टीचिंग से जुड़े एनसीटीई कोर्सेज में कमी दर्ज की गई है। उच्च शिक्षा विभाग के अनुसार इस साल कुल प्रवेश का आंकड़ा 6 लाख 14 हजार 167 को पार कर गया है।

पिछले तीन साल के आंकड़ों का तुलनात्मक अध्ययन बताता है कि हर साल कॉलेजों में प्रवेश लेने वाले छात्रों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। सत्र 2024-25 में कुल 5,73,227 एडमिशन हुए थे, जो सत्र 2025-26 में बढ़कर 5,98,547 हो गए थे। वहीं, वर्तमान सत्र में 31 अगस्त 2026 की स्थिति में कुल एडमिशन 6.14 लाख से अधिक हो चुके हैं। इस पूरी प्रक्रिया में अंडरग्रेजुएट (यूजी) कोर्सेज में छात्रों की रुचि सबसे ज्यादा देखने को मिली है। इस साल यूजी में 4,29,717 एडमिशन हुए हैं, जबकि पिछले साल यह संख्या 4,02,056 और उससे पहले 3,90,829 थी।

स्थिति... पीजी कोर्सेज में एडमिशन की रफ्तार लगभग स्थिर

दूसरी ओर, पोस्ट ग्रेजुएशन (पीजी) कोर्सेज में एडमिशन की रफ्तार लगभग स्थिर रही है। इस साल 1,29,321 छात्रों ने पीजी में प्रवेश लिया है, जो पिछले साल के 1,29,183 के मुकाबले मामूली रूप से ही अधिक है। सबसे चौंकाने वाले आंकड़े एनसीटीई (बीएड, एमएड आदि) कोर्सेज के हैं। जहां सत्र 2024-25 में 67,940 और 2025-26 में 67,308 एडमिशन हुए थे, वहीं इस साल यह संख्या तेजी से गिरकर मात्र 55,129 रह गई है। हालांकि इस वर्तमान में एनसीटीई कोर्सेस में एडमिशन की प्रक्रिया चल रही है, जिसमें कुछ इजाफा होने की उम्मीद है। वर्तमान में बीएड में 52,940 प्रवेश हुए हैं। जबकि पिछले साल 57,723 प्रवेश हुए थे।

& अपेक्षाकृत नौकरियों की उपलब्धता कम है। नए उम्मीदवारों का अवसर नहीं मिल रहे हैं। बहुत सारे बीएड, बीपीएड डिग्रीधारी बेरोजगार घूम रहे। कोर्स की फीस अधिक है। इसलिए भी कोर्स से मोहभंग होता जा रहा है।

-आनंद मिश्रा, सब्जेक्ट एक्सपर्ट

प्रदेश टीईटी पर मंडराया संकट

ऑफलाइन कराने से कर्मचारी चयन मंडल का इनकार, अब नई एजेंसी तय करेगी परीक्षा

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश में डेढ़ लाख से अधिक शिक्षकों के लिए होने वाली शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) को लेकर नई चुनौती सामने आई है। कर्मचारी चयन मंडल ने परीक्षा को ऑफलाइन माध्यम से कराने में असमर्थता जताई है। ऐसे में स्कूल शिक्षा विभाग अब परीक्षा आयोजित कराने के लिए नई एजेंसी की तलाश कर रहा है।

मुख्यमंत्री और स्कूल शिक्षा मंत्री की घोषणा के आधार पर स्कूल शिक्षा विभाग ने टीईटी को ऑनलाइन के साथ ऑफलाइन माध्यम से कराने का प्रस्ताव कर्मचारी चयन मंडल को भेजा था। मंडल ने स्पष्ट किया कि वह पिछले छह वर्षों से केवल ऑनलाइन परीक्षाएं आयोजित कर रहा है और ऑफलाइन परीक्षा कराने का काम बंद कर चुका है। ऐसे में वह ऑनलाइन के अलावा किसी अन्य माध्यम से टीईटी आयोजित नहीं कर सकता।

कर्मचारी चयन मंडल के इन्कार के बाद स्कूल शिक्षा विभाग अब दूसरी एजेंसियों के माध्यम से परीक्षा कराने की तैयारी में जुट गया है। लोक शिक्षण आयुक्त अभिषेक सिंह ने बताया कि मंडल द्वारा असमर्थता जताए जाने के बाद शासन अन्य विकल्पों पर विचार कर रहा है। परीक्षा की जिम्मेदारी किस एजेंसी को दी जाएगी, इसका अंतिम निर्णय शासन स्तर पर होगा।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव विदेश दौरे पर हैं और नौ सितंबर को भोपाल लौटेंगे। उनके लौटने के बाद स्कूल शिक्षा मंत्री के साथ चर्चा कर नई परीक्षा एजेंसी के नाम पर अंतिम निर्णय लिया जा सकता है। लोक सेवा आयोग को भी जिम्मेदारी देने पर विचार हो सकता है, हालांकि आयोग ने पहले शिक्षक पात्रता परीक्षा आयोजित नहीं की है।

तारीख और परीक्षा केंद्र बदल सकते हैं

एजेंसी बदलने की स्थिति में पहले से घोषित परीक्षा कार्यक्रम में भी बदलाव हो सकता है। कर्मचारी चयन मंडल ने 12 अक्तूबर से परीक्षा कराने का कार्यक्रम तय किया था। अब नई एजेंसी के चयन के बाद वही संस्था परीक्षा की नई तारीख तय करेगी। परीक्षा केंद्रों को लेकर भी शिक्षकों ने आपत्ति जताई है। वर्तमान में भोपाल, इंदौर, जबलपुर, खंडवा, नीमच, रतलाम, रीवा, सागर, सतना, उज्जैन और सीधी को परीक्षा केंद्र बनाया गया है। ग्वालियर-चंबल क्षेत्र और सागर अंचल के कई जिलों को केंद्र नहीं बनाए जाने पर शिक्षकों ने जिला और ब्लॉक स्तर पर परीक्षा केंद्र बनाने की मांग की है। नई एजेंसी के चयन के बाद परीक्षा केंद्रों की संख्या बढ़ाई जा सकती है। वर्ष 1998 से 2009 के बीच नियुक्त शिक्षकों के लिए शिक्षक पात्रता परीक्षा पास करना अनिवार्य किया गया है। सुप्रीम कोर्ट ने मई 2026 में आदेश जारी कर इन शिक्षकों को वर्ष 2028 तक पात्रता परीक्षा पास करने के निर्देश दिए थे। शिक्षकों को पर्याप्त अवसर देने के लिए हर साल दो बार परीक्षा आयोजित की जा सकती है।

निर्माण कार्यों में गुणवत्ता की कमी पर सख्त कार्रवाई के निर्देश

भोपाल। लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह एवं विभाग के प्रमुख सचिव श्री सुखवीर सिंह के निर्देशानुसार प्रदेश में निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए औचक निरीक्षण व्यवस्था के तहत 5 सितंबर को सात जिलों में 35 निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया गया। मुख्य अभियंताओं के सात दलों ने विदिशा, बालाघाट, मुरैना, झाबुआ, मैहर, नीमच एवं निवाड़ी जिलों में यादृच्छिक आधार पर चयनित कार्यों का निरीक्षण किया। निरीक्षण किए गए कार्यों में लोक निर्माण विभाग के सड़क एवं पुल संबंधी 21, पीआईयू के चार भवन, मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम के छह, मध्यप्रदेश भवन विकास निगम के तीन तथा राष्ट्रीय राजमार्ग से संबंधित एक कार्य शामिल है।

एक आईएएस समेत तीन अफसरों की पदस्थापना का प्रस्ताव

डीपीआई में फिर बढ़ेगा आईएएस का दखल

भोपाल, दोपहर मेट्रो

लोक शिक्षण संचालनालय में एक बार फिर गैर-विभागीय अधिकारियों की पदस्थापना को लेकर हलचल तेज हो गई है। संचालनालय में सीनियर अधिकारियों की कमी का हवाला देते हुए आयुक्त लोक शिक्षण अभिषेक सिंह ने राज्य शासन को एक आईएएस और दो राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों की पदस्थापना का प्रस्ताव भेजा है। प्रस्ताव में संचालक के एक पद पर आईएएस तथा अपर संचालक के दो पदों पर राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों को पदस्थ करने की बात कही गई है। प्रस्ताव सामने आने के बाद संचालनालय के विभागीय अधिकारियों में नाराजगी बढ़ गई है और विरोध के साथ आंदोलन की चेतावनी भी दी गई है। आयुक्त लोक शिक्षण अभिषेक सिंह ने प्रस्ताव भेजे जाने की पुष्टि करते हुए कहा कि संचालनालय में अधिकारियों की कमी है। ऐसे में जब तक पद रिक्त हैं, तब तक अधिकारियों की पदस्थापना की जरूरत महसूस की जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रस्ताव शासन को भेजा गया है और इसे मंजूर करना है या नहीं, इसका निर्णय राज्य सरकार करेगी।

सरकार को भेजा गया प्रस्ताव

विभागीय सूत्रों के अनुसार लोक शिक्षण संचालनालय में संचालक के कुल तीन पद हैं। इनमें से एक पद पर आईएएस अधिकारी की पदस्थापना किए जाने का प्रस्ताव शासन को भेजा गया है। वर्तमान में संचालक के दो पद विभागीय अधिकारियों के पास हैं। यदि प्रस्ताव को मंजूरी मिलती है तो संचालनालय में आयुक्त के अलावा एक और आईएएस अधिकारी की पदस्थापना हो जाएगी। इससे संचालनालय में वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों की संख्या बढ़ेगी।

मेट्रो एंकर

आयुष्मान योजना में 1 अक्टूबर से बड़ा बदलाव

भोपाल समेत 4 बड़े शहरों में NABH बिना नहीं होगा इलाज

250 अस्पतालों पर बाहर होने का खतरा

ग्वालियर, दोपहर मेट्रो

आयुष्मान योजना में संबद्ध निजी अस्पतालों की गुणवत्ता बेहतर करने के लिए भोपाल, इंदौर, ग्वालियर और जबलपुर के अनुबंधित अस्पताल मेडिसिन के पैकेज में रोगियों का उपचार तभी कर पाएंगे, जब उनके पास नेशनल एक्रीडिटेशन बोर्ड फॉर हास्पिटल्स (एनएबीएच) का अंतिम प्रमाण पत्र होगा। साथ ही अन्य पैकेज में संबद्धता के लिए भी कम से कम एंट्री लेवल एनएबीएच जरूरी किया जाएगा। एक अक्टूबर से नई व्यवस्था लागू होने जा रही है। इसके पहले भी स्वास्थ्य विभाग ने एक अप्रैल से यह शर्त निर्धारित की थी, पर अस्पताल संचालकों ने मुख्यमंत्री से मिलकर मोहलत देने की मांग की थी। इसके बाद छह माह का समय दिया गया है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों का कहना है कि अब समय सीमा नहीं बढ़ाई जाएगी। ऐसे में मेट्रो शहर भोपाल, इंदौर, ग्वालियर और जबलपुर के लगभग 250 अस्पताल योजना से बाहर हो जाएंगे। हालांकि, इस निर्णय के बाद उन अस्पतालों ने एंट्री लेवल एनएबीएच के लिए प्रयास तेजी से प्रारंभ कर दिया है, जिनके पास योजना के अंतर्गत पैकेजों की संख्या अधिक है और मरीज भी ज्यादा हैं।

हालांकि, शर्त के अनुसार इन्हें छह माह के भीतर फाइनल एनएबीएच प्राप्त करना होगा। मेट्रो के अतिरिक्त अन्य जिलों के लिए एनएबीएच अनिवार्य नहीं किया जा रहा है, पर यह प्रमाणीकरण कराने वालों को संबद्धता देने की शर्तों में ढील दी जाएगी। उदाहरण के तौर पर 50 बिस्तर या अधिक का अस्पताल होने पर सीएमएचओ की रिपोर्ट के आधार पर ही उन्हें मान्यता दी जा सकेगी। बता दें कि प्रदेश में वर्तमान में 816 निजी अस्पताल अनुबंधित हैं, जिनमें 465 यानी 57 प्रतिशत मेट्रो शहरों में हैं। उधर, प्रदेश में 90 ब्लॉक ऐसे हैं जहां एक भी निजी अस्पताल योजना में अनुबंधित नहीं है। ऐसे ब्लॉकों में अस्पतालों को शर्तों में कुछ छूट दी जाएगी।

इसलिए पीछे हट रहे निजी अस्पताल

एक नर्सिंग होम संचालक ने बताया कि एनएबीएच कराने के लिए पांच लाख रुपये का शुल्क है। निरीक्षकों के आने-जाने और ठहरने का खर्च अस्पताल को उठाना पड़ता है। इससे भी बड़ा खर्च यह कि एनएबीएच के मापदंड के अनुसार कर्मचारियों की संख्या, रिकॉर्ड का संधारण, उपकरण, बिस्तरों की संख्या रखनी होती है। ऐसे में लगभग 50 बिस्तर के अस्पताल पर प्रतिवर्ष करीब 40 लाख रुपये खर्च आता है। अस्पताल संचालकों का कहना है कोरोना के बाद हर सामग्री की दरें करीब 25 प्रतिशत बढ़ गई हैं, पर आयुष्मान भारत योजना के पैकेज की दरों में वृद्धि नहीं की गई है। उल्टा, कुछ में कमी कर दी गई है। उदाहरण के तौर पर डायलिसिस के एक साइकिल के 2250 रुपये मिलते थे जो अब एनएबीएच अस्पताल के लिए 1485 रुपये और गैर एनएबीएच के लिए 1350 रुपये है। अस्पतालों को भुगतान तीन से चार माह की देरी से किया जा रहा है।

व्यवस्था के लिए आईना

सागर के बंडा इलाके में जहरीली शराब ने 24 जिंदगियां छीन लीं। कई परिवारों के घर उजड़ गए और बड़ी संख्या में लोग अस्पतालों में जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहे हैं। यह सिर्फ जहरीली शराब पीने से हुई मौतों की खबर नहीं है। यह उस व्यवस्था के लिए आईना है, जिसकी जिम्मेदारी थी कि लोगों तक ऐसी शराब पहुंचे ही नहीं।

सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर जहरीली शराब गांवों तक पहुंची कैसे? यदि शराब अवैध थी तो उसका कारोबार इतने बड़े स्तर पर कैसे चलता रहा? यदि नकली बोतल, रैपर और क्यूआर कोड तक तैयार किए जा रहे थे तो निगरानी करने वाले विभागों को इसकी भनक क्यों नहीं लगी? और अगर भनक लगी थी तो कार्रवाई क्यों नहीं हुई? सरकार ने अधिकारियों को निलंबित किया है, गिरफ्तारियां हुई हैं और जांच के आदेश दिए गए हैं। लेकिन हर जहरीली शराब कांड के बाद यही कहानी दोहराई जाती है–पहले मौतें होती हैं, फिर छापे पड़ते हैं, गिरफ्तारियां होती हैं, कुछ अधिकारी निलंबित होते हैं और कुछ दिनों बाद मामला ठंडा पड़ जाता है। सवाल यह है कि क्या निलंबन और गिरफ्तारियां 24 परिवारों की जिंदगी वापस ला सकती हैं?

मौतों का आंकड़ा बढ़ते-बढ़ते 24 तक पहुंच जाना बताता है कि खतरा कितना गंभीर था। रिपोर्टों में नकली शराब के नेटवर्क और दूसरे राज्यों से इसके संभावित संबंधों की भी जांच की बात सामने आई है। यानी यह किसी एक दुकानदार या छोटे शराब विक्रेता का मामला भर नहीं लगता। इसके पीछे पूरा नेटवर्क है, जिसके अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना जरूरी है।

इस मामले में प्रशासन को केवल यह पता लगाने तक सीमित नहीं रहना चाहिए कि शराब किसने बेची। यह भी पता लगना चाहिए कि किसने बनाई, किसने पहुंचाई, किसने संरक्षण दिया, किसने आंखें बंद रखीं और इस पूरे कारोबार से किसे आर्थिक लाभ मिला।

एक और कड़वा सच सामने आया है। कुछ ऐसे लोग भी बताए गए हैं जिन्हें उपचार के बाद फिर शराब पीते देखा गया। यह बताता है कि समस्या केवल अवैध शराब की सप्लाई की नहीं, बल्कि गहरी शराब की लत और सामाजिक संकट की भी है।

सरकार को एक साथ दो मोर्चों पर काम करना होगा–पहला, जहरीली शराब के पूरे नेटवर्क को जड़ से खत्म करना और दूसरा, शराब की लत से जूझ रहे लोगों के लिए प्रभावी पुनर्वास और जागरूकता अभियान चलाना। सागर की त्रासदी को कुछ गिरफ्तारियों और कुछ निलंबनों के साथ खत्म कर देना इन मौतों के साथ अन्याय होगा। 24 मौतें सरकार से सिर्फ कार्रवाई नहीं, जवाब मांग रही हैं।

अब जांच की असली कसौटी यही है कि क्या बड़े नाम और असली लाभार्थी सामने आएंगे? अगर फिर केवल छोटे विक्रेता पकड़े गए और असली नेटवर्क बच गया, तो अगली त्रासदी का इंतजार ही किया जाएगा।

सागर में जहरीली शराब ने लोगों की जान ली है, लेकिन अगर व्यवस्था ने सबक नहीं लिया तो अगली मौतों की जिम्मेदारी भी इसी व्यवस्था की होगी।

पीजी की चमक के पीछे खतरा... बच्चों के सपनों की कीमत कौन तय करेगा?

निमिषा सिंह
स्तंभकार

हर साल देश के हजारों परिवार अपने बच्चों को बेहतर शिक्षा और उज्ज्वल भविष्य की उम्मीद में दिल्ली भेजते हैं। छोटे शहरों और कस्बों से आने वाले इन युवाओं के लिए राजधानी सिर्फ एक शहर नहीं होती, बल्कि अवसरों की वह दुनिया होती है, जहां वे अपनी मेहनत और प्रतिभा के बल पर अपने जीवन की नई शुरुआत करना चाहते हैं। उनके पीछे खड़े माता-पिता अपनी वर्षों की कमाई, त्याग और उम्मीदों के साथ बच्चों को इस भरोसे पर विदा करते हैं कि दिल्ली उन्हें आगे बढ़ने का सुरक्षित अवसर देगी। लेकिन इस सपने की एक ऐसी तस्वीर भी है, जो अब लगातार डराने लगी है। दिल्ली के छात्र बहुल इलाकों में शिक्षा के साथ-साथ निजी पीजी, हॉस्टल और किराए के मकानों का एक बड़ा बाजार खड़ा हो चुका है। छात्रों की बढ़ती जरूरत और मकान मालिकों की बढ़ती कमाई के बीच एक सवाल कहीं पीछे छूटता जा रहा है–इन इमारतों में रहने वाले युवाओं की सुरक्षा की जिम्मेदारी आखिर किसकी है? सत्य निकेतन में छह सितंबर को पांच मंजिला इमारत के ढहने की दर्दनाक घटना ने इसी सवाल को फिर हमारे सामने ला खड़ा किया है। छात्रों के रहने के लिए इस्तेमाल हो रही इस इमारत के मलबे से छह लोगों की मौत की खबर सामने आई और कई लोगों को सुरक्षित निकाला गया। शुरुआती जांच में इमारत के स्वीकृत नक्शे, बेसमेंट में हुए निर्माण और फायर सेफ्टी जैसे गंभीर सवाल उठे हैं।यह घटना इसलिए भी विचलित करती है क्योंकि सत्य निकेतन में ऐसी त्रासदी पहली बार नहीं हुई है। अप्रैल 2022 में भी इसी इलाके में एक निर्माणाधीन इमारत के गिरने से दो लोगों की जान गई थी।

चार साल बाद फिर वही इलाका, फिर एक इमारत, फिर मलबा और फिर जिंदगियां–तो आखिर पिछली घटना से हमने क्या सीखा? यह सवाल सिर्फ सत्य निकेतन का नहीं है। यह दिल्ली के उन तमाम छात्र बहुल इलाकों का सवाल है, जहां देश के कोने-कोने से आए हजारों युवा अपने भविष्य की तैयारी कर रहे हैं।दिल्ली विश्वविद्यालय और दूसरे बड़े शिक्षण संस्थानों के आसपास छात्र आवास की भारी कमी है। विश्वविद्यालयों की हॉस्टल क्षमता उनकी कुल छात्र संख्या के मुकाबले बेहद सीमित है। नतीजा यह है कि बड़ी संख्या में छात्रों को मजबूरी में निजी पीजी, हॉस्टल और किराए के फ्लैटों का सहारा लेना पड़ता है। यही मजबूरी धीरे-धीरे एक बड़े और बेहद लाभदायक पीजी बाजार में बदल गई है।दिल्ली के सत्य निकेतन, मुखर्जी नगर, ओल्ड राजेंद्र नगर, कटवारिया सराय और ऐसे कई इलाकों में रिहायशी मकानों का चरित्र बदल चुका है। जिस इमारत को कभी एक परिवार के रहने के लिए बनाया गया था, उसमें आज दर्जनों छात्रों को कमरों और बेड के हिसाब से ठहराया जाता है।

एक कमरे में अधिक से अधिक बेड लगाना, हर बेड से किराया वसूलना और कम से कम खर्च में अधिकतम कमाई करना इस बाजार की अर्थव्यवस्था बन चुकी है। लेकिन इस पूरी गणित में सबसे महत्वपूर्ण चीज अक्सर गायब होती है–सुरक्षा। सवाल यह है कि क्या किसी मकान को

पीजी या छात्रावास में बदल देने भर से उसकी क्षमता और सुरक्षा मानक भी बदल जाते हैं? क्या जिस इमारत में दर्जनों युवा रहने लगते हैं, उसकी स्ट्रक्चरल जांच भी उतनी ही गंभीरता से की जाती है? क्या वहां पर्याप्त आपातकालीन निकास, फायर सेफ्टी, वेंटिलेशन और सुरक्षित विद्युत व्यवस्था होती है? क्या यह देखा जाता है कि जिस भवन को जितने लोगों के लिए बनाया गया था, उसमें उससे कई गुना अधिक लोगों को तो नहीं ठूंस दिया गया है? और अगर ये सब नियम हैं, तो उनका पालन कौन करवा रहा है? किसी पांच-छह मंजिला इमारत का खड़ा हो जाना कोई एक दिन की घटना नहीं होती। अतिरिक्त मंजिलें बनती हैं, कमरों का विभाजन होता है, बेसमेंट में बदलाव होते हैं, दीवारें टूटती हैं, नए निर्माण होते हैं और फिर उनमें छात्र रहने लगते हैं। यह सब एक दिन में नहीं होता। ऐसे में यह मान लेना बहुत आसान है कि हादसा सिर्फ किसी एक व्यक्ति की लापरवाही का परिणाम था। लेकिन असली सवाल इससे कहीं बड़ा है–क्या यह व्यवस्थागत विफलता नहीं है?अगर नियमों के खिलाफ निर्माण वर्षों तक चलता रहा, तो निगरानी करने वाला तंत्र कहां था? सत्य निकेतन की मौजूदा घटना में भी बेसमेंट में अनधिकृत निर्माण और भवन के स्वीकृत नक्शे से जुड़े सवाल सामने आए हैं। रिपोर्टों में इमारत में दरारों और मरम्मत के काम का भी उल्लेख हुआ है।अगर किसी इमारत में पहले से दरारें दिखाई दे रही थीं और वहां दर्जनों युवा रह रहे थे, तो क्या किसी जिम्मेदार एजेंसी ने यह जानने की कोशिश की कि इमारत वास्तव में सुरक्षित है या नहीं? क्या मरम्मत से पहले स्ट्रक्चरल सेफ्टी ऑडिट कराया गया? क्या यह सुनिश्चित किया गया कि मरम्मत के दौरान भवन की भार-वहन क्षमता प्रभावित न हो? ये सवाल इसलिए जरूरी हैं क्योंकि हादसे के बाद मलबा हटाना आसान है, लेकिन उससे पहले पैदा हुए खतरे को पहचानना ही असली प्रशासनिक जिम्मेदारी है। विडंबना यह है कि हमारी व्यवस्था अक्सर हादसे के बाद जागती है। हादसा होता है, राहत और बचाव दल पहुंचते हैं, कुछ इमारतें सील होती हैं, नोटिस जारी होते हैं, जांच के आदेश दिए जाते हैं और मुआवजे की घोषणा कर दी जाती है। कुछ दिनों तक पूरा प्रशासन सक्रिय दिखाई देता है और फिर धीरे-धीरे सब कुछ उसी पुरानी रफ्तार में लौट जाता है। लेकिन किसी मां के लिए यह सवाल इतना आसान नहीं है। उसके लिए उसका बच्चा किसी फाइल का नंबर या किसी भवन का किरायेदार नहीं है। मैं खुद इस डर को महसूस कर रही हूं। मेरा बेटा भी दिल्ली विश्वविद्यालय के साउथ कैंपस के पास एक फ्लैट लेकर रहता है। ऐसी कोई खबर सामने आती है तो मेरे मन में सबसे पहले अपने बेटे का चेहरा आता है।

माता-पिता अपने बच्चों को दिल्ली पढ़ने भेजते हैं, उन्हें किसी जोखिम भरी इमारत के हवाले करने के लिए नहीं। सत्य निकेतन का मलबा सिर्फ ईंट, सीमेंट और लोहे का ढेर नहीं है। उसमें कई परिवारों की उम्मीदें दबी हैं। उसमें उन माता-पिताओं का भरोसा भी दबा है, जिन्होंने अपने बच्चों को बेहतर भविष्य देने के लिए उनसे दूर रहने का कठिन फैसला लिया। इसलिए अब हर हादसे के बाद संवेदना और मुआवजे से आगे बढ़ने का समय है। सवाल यह नहीं होना चाहिए कि हादसे के बाद कितने लोगों को बचाया गया; सवाल यह होना चाहिए कि हादसा होने से पहले खतरे को पहचानने और रोकने के लिए व्यवस्था ने क्या किया? राजधानी की इमारतें कितनी ऊंची हैं, इससे ज्यादा जरूरी यह है कि उनके भीतर रहने वाले बच्चे कितने सुरक्षित हैं। क्योंकि इन कमरों में सिर्फ किरायेदार नहीं रहते–किसी का बेटा रहता है, किसी की बेटी रहती है, किसी मां की पूरी दुनिया रहती है।और जब कोई मां रात में अपने बच्चे को फोन करके सिर्फ इतना पूछती है– 'बेटा, तुम ठीक हो न? '–तो समझिए कि वह सवाल सिर्फ एक मां का नहीं, बल्कि हमारी पूरी व्यवस्था से पूछा गया सवाल है।

–यह लेखक के अपने विचार हैं।

विश्व फिजियोथेरेपी दिवस

हृदय स्वास्थ्य व स्ट्रोक की रोकथाम व प्रबंधन में फिजियोथेरेपी की महत्वपूर्ण भूमिका

डॉ. सुनील पाण्डेय
अध्यक्ष, भौतिक चिकित्सक कल्याण संघ

भारत इस समय तेजी से बढ़ते स्वास्थ्य संकट से गुजर रहा है। बदलती जीवनशैली, शारीरिक गतिविधियों में कमी, मोटापा, मधुमेह और हाई ब्लड प्रेशर जैसी समस्याएं अब केवल बुजुर्गों तक सीमित नहीं रह गई हैं। युवाओं में भी इनके मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। यही कारण है कि कम उम्र में हार्ट अटैक, कार्डियक अरेस्ट और स्ट्रोक जैसी गंभीर समस्याएं चिंता का विषय बन रही हैं।

भारत में करीब 10.1 करोड़ लोग मधुमेह से पीड़ित हैं, जबकि लगभग 13.6 करोड़ लोग प्री-डायबिटीज की स्थिति में हैं। करीब 31 करोड़ लोग हाई ब्लड प्रेशर से प्रभावित बताए जाते हैं। शहरी आबादी में पेट के आसपास जमा अतिरिक्त चर्बी भी तेजी से बढ़ रही है। ये तीनों स्थितियां मिलकर हृदय और रक्त वाहिकाओं पर गंभीर असर डाल सकती हैं।

फिजियोथेरेपी को अक्सर केवल कमर, गर्दन, घुटने या शरीर के दर्द के इलाज से जोड़कर देखा जाता है। वास्तव में इसका दायरा इससे कहीं बड़ा है। सही तरीके से और विशेषज्ञ की सलाह के अनुसार की गई शारीरिक गतिविधि मधुमेह, हाई ब्लड प्रेशर, मोटापे और हृदय संबंधी समस्याओं के प्रबंधन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। नियमित और वैज्ञानिक तरीके से कराई गई स्ट्रेंथ तथा एरोबिक एक्सरसाइज मांसपेशियों की शुगर इस्तेमाल करने की क्षमता को बेहतर करती है। इससे शरीर में इंसुलिन के प्रति संवेदनशीलता बढ़ती है और ब्लड शुगर को नियंत्रित करने में मदद मिलती है। इसी तरह नियंत्रित और धीरे-धीरे बढ़ाई गई एक्सरसाइज रक्त वाहिकाओं के स्वास्थ्य को बेहतर करने में मदद करती है। इससे ब्लड प्रेशर को नियंत्रित रखने में सहायता मिल सकती है। नियमित शारीरिक गतिविधि पेट के आसपास जमा अतिरिक्त चर्बी को कम करने और हृदय पर पड़ने वाले दबाव को घटाने में भी उपयोगी है। इसलिए व्यायाम को केवल वजन घटाने का साधन समझना सही नहीं है। वैज्ञानिक दृष्टि से यह शरीर के मेटाबॉलिज्म और कार्यक्षमता को बेहतर करने वाली महत्वपूर्ण थेरेपी है। हालांकि किस व्यक्ति को कितनी और किस तरह की एक्सरसाइज करनी है, यह उसकी उम्र, बीमारी और शारीरिक स्थिति के अनुसार विशेषज्ञ तय करें।

स्ट्रोक के बाद शुरुआती समय बेहद महत्वपूर्ण: स्ट्रोक यानी ब्रेन अटैक के बाद मरीज के लिए फिजियोथेरेपी की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। स्ट्रोक के बाद शुरुआती तीन महीने मरीज के पुनर्वास के लिए बेहद महत्वपूर्ण माने जाते हैं। इस दौरान न्यूरो-फिजियोथेरेपी के माध्यम से मरीज को धीरे-धीरे बैठने, खड़े होने, चलने और प्रभावित अंगों का इस्तेमाल करने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है। मस्तिष्क में नई परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढालने की क्षमता होती है, जिसे न्यूरो-प्लास्टिसिटी कहा जाता है। उचित अभ्यास और बार-बार किए जाने वाले कार्यों के माध्यम से मस्तिष्क के स्वस्थ हिस्सों को प्रभावित अंगों के काम में सहयोग करने के लिए प्रशिक्षित किया जा सकता है। यही कारण है कि स्ट्रोक के बाद फिजियोथेरेपी को टालना नहीं चाहिए। फिजियोथेरेपी का विकास भी लंबे समय में काफी बदला है। पहले इसे सामान्य व्यायाम और पानी में उपचार जैसी तकनीकों तक सीमित माना जाता था। युद्धों के दौरान घायल सैनिकों को फिर से चलने-फिरने योग्य बनाने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका रही। आज यह बायोमैकेनिक्स, न्यूरो-प्लास्टिसिटी और आधुनिक पुनर्वास तकनीकों पर आधारित चिकित्सा पद्धति बन चुकी है।

दवा के साथ फिजियोथेरेपी भी जरूरी: दवाएं कई बीमारियों को नियंत्रित करने और गंभीर स्थितियों में जीवन बचाने में महत्वपूर्ण हैं। लेकिन बीमारी के बाद शरीर की ताकत, संतुलन, चलने-फिरने की क्षमता और रोजमर्रा के काम करने की क्षमता वापस लाने में फिजियोथेरेपी की भूमिका महत्वपूर्ण है।

हृदय रोग या स्ट्रोक से उबर रहे मरीजों में कार्डियक और न्यूरो-रिहैबिलिटेशन को उपचार का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाया जाना चाहिए। अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद भी विशेषज्ञ की निगरानी में पुनर्वास जारी रखना जरूरी है। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम केवल बीमारी होने के बाद इलाज कराने के बजाय अपनी जीवनशैली पर भी ध्यान दें। रोजमर्रा की जिंदगी में नियमित शारीरिक गतिविधि, संतुलित आहार, वजन और ब्लड प्रेशर की निगरानी तथा समय-समय पर स्वास्थ्य जांच को आदत बनाना चाहिए।

मुख्य संदेश यही है–दवा बीमारी को नियंत्रित करने में मदद करती है, जबकि सही फिजियोथेरेपी शरीर को फिर से सक्रिय और सक्षम बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। 'मूवमेंट इज मेडिसिन' को अपनी जीवनशैली का हिस्सा बनाकर हम हृदय और स्ट्रोक से जुड़े जोखिमों को कम करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठा सकते हैं।

–यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अपडेट

मीठा नहीं खाते फिर भी बढ़ी रहती है शुगर, तनाव भी हो सकता है बड़ा कारण

तनाव को अक्सर मानसिक परेशानी से जोड़कर देखा जाता है, लेकिन इसका असर सिर्फ दिमाग तक सीमित नहीं रहता। जब व्यक्ति तनाव में होता है, तो शरीर खुद को किसी चुनौती से निपटने के लिए तैयार करता है। इस दौरान कई हार्मोन सक्रिय हो जाते हैं, जिनमें कोर्टिसोल और एड्रेनालिन प्रमुख हैं। ये हार्मोन शरीर को तुरंत एनर्जी उपलब्ध कराने के लिए ब्लड में ग्लूकोज की मात्रा बढ़ा सकते हैं। कभी-कभार होने वाला तनाव आमतौर पर थोड़े समय के लिए ब्लड शुगर बढ़ाता है। लेकिन अगर तनाव लगातार बना रहे, नींद खराब हो और शरीर लंबे समय तक तनाव

हार्मोन के प्रभाव में रहे, तो ब्लड शुगर को नियंत्रित करना मुश्किल हो सकता है।

तनाव ब्लड शुगर बढ़ाने वाले कारकों में से एक हो सकता है। तनाव के दौरान शरीर की 'लड़ो या भागो' प्रतिक्रिया सक्रिय होती है। इसका उद्देश्य शरीर को तुरंत ऊर्जा देना होता है। इसके लिए लिवर अपने भीतर जमा ग्लूकोज को रक्त में छोड़ता है और शरीर के कुछ टिशू एनर्जी के इस्तेमाल का तरीका बदल देते हैं। अमेरिकन डायबिटीज एसोसिएशन के अनुसार तनाव ब्लड ग्लूकोज बढ़ाने वाले कारकों में शामिल है। बीमारी, संक्रमण, शारीरिक तनाव और भावनात्मक तनाव सभी ब्लड शुगर को प्रभावित कर सकते हैं। इसका मतलब है कि तनाव के दौरान व्यक्ति ने कुछ मीठा न खाया हो, तब भी उसकी ब्लड शुगर बढ़ सकती है।

एनसीबीआई के अनुसार डायबिटीज में शरीर पहले से ही ग्लूकोज और इंसुलिन के संतुलन को बनाए रखने में कठिनाई का सामना कर रहा होता है। टाइप-2 डायबिटीज में इंसुलिन रेजिस्टेंस मौजूद हो सकता है, जबकि टाइप-1 डायबिटीज में शरीर पर्याप्त इंसुलिन नहीं बना पाता। ऐसी स्थिति में तनाव हार्मोन यदि लिवर से अतिरिक्त ग्लूकोज निकलवाते हैं और इंसुलिन की प्रभावशीलता को कम करते हैं, तो रक्त शर्करा को सामान्य सीमा में रखना कठिन हो सकता है।

तनाव को दूर करने के लिए , पर्याप्त मात्रा में नींद लें। मेडिटेशन से तनाव तेजी से कम होता है। किसी यात्रा पर जाने से भी आप तनाव को कम कर सकते हैं। रेगूलर एक्सरसाइज और दोस्तों के समय बिताएं। हेल्दी डाइट लें और पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं।

तनाव के दौरान कोर्टिसोल, एड्रेनालिन और अन्य प्रतिरोधी हार्मोन शरीर को तुरंत ऊर्जा उपलब्ध कराने के लिए रक्त में ग्लूकोज की मात्रा बढ़ा सकते हैं। थोड़े समय के लिए यह शरीर की सामान्य प्रतिक्रिया है, लेकिन लगातार तनाव इंसुलिन प्रतिरोध और ग्लूकोज नियंत्रण को प्रभावित कर सकता है। यदि तनाव के दौरान शुगर लगातार बढ़ रही है, तो कारण समझने और उपचार में बदलाव के लिए डॉक्टर से सलाह लेना सबसे सुरक्षित तरीका है।

निशाना

वातावरण था गुलनार...

नीतिराज 'नीति'

वाह रे मानव समझदार,
बनते हो कितना होशियार,
धरती मां के टुकड़े करके,
बारूद से करते हो प्रहार,
जल,जंगल और नभ में भी,
फेंके कितने है हथियार,
जीव-जंतु के जीवन में भी,
मचा दिया है हाहाकार,
तकनीकी को ढाल बनाकर,
नदियों पर किया अत्याचार,
जंगल में उद्योग लगाकर,
वृक्ष काटे कई, छायादार,
कुछ पौधारोपण से बोलो,
कर पाओगे क्या उपचार,
नहीं करो कुछ भी अब केवल,
कर दो छोटा सा उपकार,
प्रकृति को मत रोको अब,
मत करो प्रदूषण का विस्तार,
जैसे कोरोना काल के समय,
वातावरण था गुलनार...

यूजर्स गाइड

बिना पुलिस वेरिफिकेशन 3 दिन में बन जाएगा पासपोर्ट, फीस देनी होगी ज्यादा

आमतौर पर जब आप पासपोर्ट बनवाते हैं, तो पहले पुलिस वेरिफिकेशन होता है और उसके बाद आपका पासपोर्ट आपके पास पहुंचता है लेकिन एक तरीका ऐसा भी है जिसमें पासपोर्ट पुलिस वेरिफिकेशन से पहले आपको मिल जाता है। दरअसल इसके लिए आपको नॉर्मल पासपोर्ट के लिए नहीं बल्कि तत्काल पासपोर्ट के लिए अप्लाई करना होगा। तत्काल पासपोर्ट बिना पुलिस वेरिफिकेशन का इंतजार किए महज 2 से 3 वर्किंग दिनों में पासपोर्ट आपके पते पर डिलीवर हो जाता है। गौर करने वाली बात है कि तत्काल पासपोर्ट बनवाते समय आपको सिर्फ चंद स्टेप्स अलग फॉलो करने पड़ते हैं। अगर आप पुलिस वेरिफिकेशन से पहले पासपोर्ट पाना चाहते हैं और उसके लिए आप तत्काल पासपोर्ट के लिए अप्लाई करने वाले हैं, तो जान लें कि तत्काल पासपोर्ट के लिए आपको ज्यादा फीस चुकानी पड़ती है। इसके लिए आपको सामान्य फीस से अलग 2000 रुपये की तत्काल फीस भी भरनी पड़ती है।

इन डॉक्यूमेंट्स की पड़ेगी जरूरत: तत्काल पासपोर्ट बनवाने के लिए डॉक्यूमेंट्स की अच्छे से पड़ताल होती है। ऐसे में आपके हर आईडी में आपके नाम, पिता के नाम और जन्मतिथि हूबहू मैच होनी चाहिए। इसके लिए आप इन डॉक्यूमेंट्स को तैयार रखें- आधार कार्ड एनेक्सचर 'E' डिक्लेरेशन फॉर्म, दो अतिरिक्त वैलिड आईडी प्रूफ जैसे पैन कार्ड, वोटर आईडी, ड्राइविंग लाइसेंस, या बैंक पासबुक।

ऑनलाइन ऐसे करें अप्लाई: तत्काल पासपोर्ट के लिए अप्लाई करने के लिए ऑफिशियल पासपोर्ट सेवा पोर्टल यानी कि passportindia.gov.in पर जाएं। पोर्टल पर रजिस्टर कर लॉग इन करें और Apply for Fresh Passport या Re-issue चुनें। स्कीम टाइप में Tatkaal के ऑप्शन को जरूर चुनें। फॉर्म भरकर सभी जरूरी पर्सनल और एड्रेस डिटेल्स सबमिट करें। ऑनलाइन पेमेंट पूरी करके अपने नजदीकी PSK या POPSK के लिए स्लॉट बुक करें। ध्यान देने वाली बात है कि अगर आप सुबह 8:00 से 9:00 बजे के बीच का शुरुआती अपॉइंटमेंट स्लॉट चुनते हैं, तो डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन उसी दिन पहले हाफ में पूरा हो जाता है। इससे आपकी फाइल उसी वर्किंग डे में प्रिंटिंग और डिस्पैचिंग क्यू में चली जाती है। इससे आपको आपका पासपोर्ट 48 से 72 घंटों में मिलने की संभावना बढ़ जाती है। ऐसा नहीं है कि तत्काल पासपोर्ट बनवाने पर पुलिस वेरिफिकेशन नहीं होता। दरअसल नॉर्मल पासपोर्ट बनवाने पर पुलिस वेरिफिकेशन पहले होता है और तत्काल पासपोर्ट बनवाने पर बाद में।

वायरल कंटेंट

दुल्हन ने जैसे ही कहा- कबूल है, शौहर ने आसमान में लॉन्च कर दी मिसाइलें!

सोशल मीडिया पर अफगानिस्तान की एक शादी इन दिनों काफी चर्चा में है। बताया जा रहा है कि इस शादी में जैसे ही दुल्हन ने कबूल है कहा, दूल्हे ने आसमान में मिसाइलें दगवानी शुरू कर दी। इस शादी ने इंटरनेट पर खूब चर्चा बटोरी। हालांकि, ऐसी किसी घटना की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। निकाह के दौरान जैसे ही दुल्हन ने 'कबूल है' कहा, दूल्हे ने सिग्नल समझकर आसमान में मिसाइलें लॉन्च कर दीं। शादी का माहौल अचानक जश्न से धमाकेदार हो गया।

वीडियो और पोस्ट्स में इसे 'निकाह का ऐसा जश्न' बताकर शेयर किया जा रहा है। कई यूजर्स हैरानी और मजाक के साथ कमेंट कर रहे हैं। हालांकि इस घटना की किसी आधिकारिक स्रोत या विश्वसनीय समाचार एजेंसी से पुष्टि नहीं हुई है। यह मुख्य रूप से सोशल मीडिया पर फैल रहा दावा है। हालांकि अफगानिस्तान में शादी-विवाह के दौरान खुशी व्यक्त करने के पारंपरिक तरीके लंबे समय से चर्चा में रहे हैं। कई इलाकों में, खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में दूल्हा पक्ष हवा में गोलियां चलाकर जश्न मनाता है। इसे बारात या निकाह की खुशी का हिस्सा माना जाता है। कभी-कभी यह रिवायत दुर्घटनाओं का कारण भी बन जाती है क्योंकि गोलियां या रॉकेट वापस गिरकर नुकसान पहुंचा सकते हैं। पुरानी घटनाओं में आरपीजी या अन्य हथियारों के गलत इस्तेमाल से हादसे हो चुके हैं। लेकिन मिसाइल जैसी भारी गोला-बारूद को जानबूझकर शादी के जश्न में इस्तेमाल करने का दावा बेहद असामान्य और खतरनाक लगता है। वर्तमान वायरल पोस्ट्स में कहा जा रहा है कि दुल्हन के कबूल करते ही मिसाइलें आसमान में दाग दी गईं। कुछ कैप्शन में इसे 'बारात वाइब्स को अगले लेवल पर ले जाना' बताया गया है। लोग इसे मजेदार, डरावना या अतिशयोक्ति भरा बता रहे हैं।

में फैली है अस्थिरता: अफगानिस्तान में संघर्ष और अस्थिरता के लंबे इतिहास के कारण शादियों में हथियारों का प्रदर्शन कभी-कभी सुरक्षा या परंपरा से जुड़ा रहा है। लेकिन आधुनिक समय में और तालिबान शासन के तहत भी आम नागरिकों द्वारा मिसाइल जैसे हथियारों का इस्तेमाल नियंत्रित और अवैध माना जाता है। अगर कोई ऐसी घटना सच में हुई होती तो स्थानीय प्रशासन, सुरक्षा बल या अंतरराष्ट्रीय मीडिया में इसकी खबर आनी चाहिए थी। अभी तक ऐसा कुछ सामने नहीं आया है। सोशल मीडिया की प्रकृति ऐसी है कि चौंकाने वाली कहानियां तेजी से फैलती हैं। कुछ यूजर्स इसे फेक बता रहे हैं तो कुछ मजाक में आगे बढ़ा रहे हैं।

दुर्गावती टाइगर रिजर्व बना गिद्धों का ठिकाना, 9 में से 7 प्रजातियों का बसेरा

पांच दिन के शोध में खुलासा- 4 दिन में भैंस के शव से मांस गायब, सियार-लकड़बग्घे भी बने मददगार

विशाल रजग. तेंदूखेड़ा

वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व के जंगलों और पहाड़ों की चट्टानों में गिद्धों की मौजूदगी एक बार फिर वन्यजीव प्रेमियों और संरक्षण विशेषज्ञों के लिए उम्मीद की खबर लेकर आई है। यहां भारत में पाई जाने वाली नौ गिद्ध प्रजातियों में से सात को देखा जाता है। इनमें चार प्रजातियां सालभर क्षेत्र में रहती है और प्रजनन करती है, जबकि तीन प्रजातियां सर्दियों में हजारों किलोमीटर की यात्रा कर यहां पहुंचती है।

पांच दिन के लघु शोध में सामने आया तालमेल

यूएसए की जॉर्जिया यूनिवर्सिटी के इंटीग्रेटिव कंजर्वेशन प्रोग्राम के रिसर्च स्कॉलर अमित कौशिक ने बताया कि गिद्धों को प्रकृति का सफाईकर्मी कहा जाता है, लेकिन इनकी भूमिका केवल शवों को खत्म करने तक सीमित नहीं है। ये मृत पशुओं के शवों को तेजी से साफ कर संभावित रोग जनकों और संक्रमण के फैलाव का खतरा भी कम करते हैं। टाइगर रिजर्व क्षेत्र में कैमरा ट्रैप से सामने आया एक मामला इसकी अहमियत बताता है धनगौर क्षेत्र में 29 अगस्त को मृत मिली भैंस के शव पर 31 अगस्त को कैमरा ट्रैप लगाया गया। 2 सितंबर को कैमरा हटाने तक महज चार दिनों में शव से मांस पूरी तरह खत्म हो चुका था और सिर्फ हड्डियां

बची थीं। गिद्धों के साथ भेडिया, लकड़बग्घा, सियार समेत मध्यम आकार के मांसाहारी जीवों ने भी साथ दिया।

यह हैं सात प्रजातियां

सफेद पीठ वाला गिद्ध : गहरे भूरे काले शरीर और निचली पीठ पर - सफेद पंख इसकी प्रमुख पहचान हैं। - यह झुंड में रहना पसंद करता है और - बड़े पुराने पेड़ों पर घोंसला बनाता है।

भारतीय गिद्ध/लंबी चोंच वाला गिद्ध : हल्के भूरे रंग और अपेक्षाकृत लंबी-पतली चोंच से इसकी पहचान होती है यह चट्टानों की कगारों पर घोंसला बनाता है, इसलिए वीडीटीआर की पथरीली पहाडियां - इसके लिए अनुकूल हैं।

राज गिद्ध : चमकीले लाल-नारंगी सिर और गर्दन व काले पंख इसे बाकी गिद्धों से अलग पहचान देते हैं। यह अक्सर अकेले या जोड़े में दिखाई देता है और बड़े झुंड में कम नजर आता है।

सफेद गिद्ध/मिस्त्री गिद्ध : यह आकार में सबसे छोटा है मटमैला सफेद शरीर, पीला चेहरा और नुकीली पूंछ इसकी पहचान है। उड़ान के दौरान इसकी नुकीली पूंछ इसे आसानी से पहचानने में मदद करती है।

हिमालयी गिद्ध : यह सबसे बड़े आकार के गिद्धों में शामिल है और इसके पंखों का फैलाव करीब तीन मीटर तक हो सकता है। हल्का शरीर और गहरे पंख इसकी पहचान हैं व यह हिमालय से हजारों किलोमीटर उड़कर आता है।

यूरेशियाई गिद्ध : दिखने में हिमालयी गिद्ध जैसा, लेकिन आकार में कुछ छोटा और हल्के भूरा-सुनहरा रंग लिए होता है। यह सर्दियों में क्षेत्र में पहुंचने वाली प्रवासी प्रजातियों में शामिल है।

सिनेरियस/मोंक गिद्ध : पूरी तरह गहरे भूरे-काले रंग और सिर पर मखमली रुआं जैसे आवरण से इसकी पहचान होती है। यह यूरोप-मध्य एशिया से करीब सात हजार किलोमीटर की दूरी तय कर यहां पहुंचता है।

वहीं इस मामले में टाइगर रिजर्व के डिप्टी डायरेक्टर रजनीश सिंह ने बताया कि टाइगर रिजर्व में वल्चर की दृष्टि से इसलिए महत्वपूर्ण बनता जा रहा है। क्योंकि टाइगर रिजर्व में देश के उन चुनिंदा जंगलों में शामिल हैं जहां भारत में पाई जाने वाली नौ में से सात गिद्ध प्रजातियां एक साथ देखी जाती है। इधर जॉर्जिया यूनिवर्सिटी यूएसए के रिसर्च स्कॉलर अमित कौशिक ने बताया कि रिसर्च स्कॉलर जॉर्जिया यूनिवर्सिटी यूएसए से अमित कौशिक ने कहा कि मैं मांसाहारी जीवों पर शोध कर रहा हूं। वीडीटीआर में गिद्धों की मौजूदगी अच्छा संकेत है। ये मृत मवेशियों को तेजी से खत्म करते हैं और जंगल को स्वच्छ बनाते हैं। वीडीटीआर में देश में पाई जाने वाली 9 से में 7 प्रजातियां मिलती हैं, जो बड़ी बात है।

न्यूज विंडो

तेंदूखेड़ा में काले बादलों के बाद हुई तेज बारिश, गर्मी-उमस से मिली राहत

तेंदूखेड़ा। नगर में सोमवार शाम मौसम ने अचानक करवट ली। शाम करीब 6 बजे से आसमान घने काले बादल छाने लगे और देखते ही देखते बादलों का घनत्व बढ़ता गया। करीब साढ़े 6 .30बजे आसमान में घना अंधेरा छा गया। मौसम का मिजाज देखकर लोगों को तेज बारिश होने की संभावना नजर आने लगी। अचानक बदले मौसम के बीच विद्युत कंपनी द्वारा एहतियात के तौर पर करीब 5 से 10 मिनट के लिए नगर की विद्युत आपूर्ति बंद कर दी गई। इस दौरान पूरे नगर में कुछ समय के लिए अंधेरा छा गया। इसके बाद विद्युत आपूर्ति बहाल हुई और करीब 10 मिनट बाद जोरदार बारिश शुरू हो गई। बारिश शुरू होते ही मौसम सुहावना हो गया और लोगों को उमस एवं गर्मी से राहत मिली। कुछ ही देर में सड़कों और खुले स्थानों पर पानी नजर आने लगा। लंबे समय से बारिश का इंतजार कर रहे लोगों ने मौसम के इस बदलाव को राहत के रूप में देखा। बारिश के चलते तापमान में गिरावट महसूस हुई और वातावरण ठंडा हो गया। वहीं किसानों को भी बारिश से खेतों में नमी मिलने तथा फसलों को लाभ होने की उम्मीद है। अचानक हुई तेज बारिश ने क्षेत्र में मानसून की सक्रियता का एहसास करा दिया।

प्राची जोशी का राज्य तीरंदाजी अकादमी में चयन, अब जबलपुर में लेंगी ट्रेनिंग

नर्मदापुरम। पुरानी इटारसी स्थित शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की छात्रा प्राची जोशी का चयन मध्यप्रदेश राज्य तीरंदाजी प्रशिक्षण अकादमी, जबलपुर के लिए हुआ है। प्राची ने प्रदेशभर में आयोजित ऑर्चरी टैलेंट सर्च में शानदार प्रदर्शन करते हुए यह उपलब्धि हासिल की। तीरंदाजी की प्रतिभाओं की तलाश के लिए खेल विभाग द्वारा आयोजित प्रदेशव्यापी टैलेंट सर्च में प्राची ने बेहतर स्कोर के साथ उत्कृष्ट फिजिकल फिटनेस का प्रदर्शन किया। इसके बाद उन्होंने अंतिम ट्रायल में जगह बनाई और अपने प्रदर्शन के आधार पर राज्य अकादमी के लिए चयनित हुईं। प्राची अब जबलपुर स्थित राज्य तीरंदाजी अकादमी में खेल विशेषज्ञों और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षकों की देखरेख में उच्चस्तरीय प्रशिक्षण प्राप्त करेंगी। उनकी इस उपलब्धि से विद्यालय परिवार और जिले के खेल जगत में खुशी का माहौल है। प्राची धर्मेंद्र जोशी की पुत्री हैं। उनकी सफलता पर जिला खेल अधिकारी (शिक्षा विभाग) वंदना रघुवंशी, खेल एवं युवा कल्याण विभाग के जिला खेल अधिकारी विकास खराड़कर ने शुभकामनाएं दी हैं।

श्योपुर के जंगलों में जलभराव से चीते समेत वन्यजीवों पर खतरा

नर्मदापुरम/श्योपुर। मध्य प्रदेश के ग्वालियर-चंबल अंचल में लगातार हो रही तेज बारिश से श्योपुर जिले के जंगल जलमग्न हो गए हैं। कूनो नेशनल पार्क के अधिकांश हिस्सों में पानी भर गया है, नदी-नाले उफान पर हैं और जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। मौसम विभाग ने अगले एक-दो दिन और भारी बारिश की संभावना जताई है।बाढ़ के खतरे को देखते हुए कूनो प्रबंधन हाई अलर्ट पर है। ष्टष्टस्न उत्तम शर्मा ने बताया कि फिलहाल हालात नियंत्रण में हैं, लेकिन एहतियातन सभी रेंज टीमों को सक्रिय कर दिया गया है। चीते, तेंदुए समेत अन्य वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए ट्रैकिंग और कैमरा मॉनिटरिंग बढ़ा दी गई है। चीतों के बाड़ों के आसपास जलनिकासी और ऊंचे स्थानों पर शिफ्ट करने की तैयारी भी रखी गई है।उल्लेखनीय है कि 27 अगस्त 2024 को नर चीता पवन की नाले में डूबने से मौत हो गई थी। इस हादसे को देखते हुए इस बार प्रबंधन कोई चूक नहीं चाहता। वन विभाग ने निचले इलाकों में गश्त तेज कर दी है और ग्रामीणों को भी नदी-नालों से दूर रहने की सलाह दी गई है।

जहरीली शराब कांड : 7 गांवों का दौरा, बोले- 10 से ज्यादा आरोपी हिरासत में, जड़ से खत्म होगा अवैध कारोबार

पीड़ित परिवारों से मिले डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ल, कहा- माफिया बख्शे नहीं जाएंगे

सागरा। दोपहर मेट्रो

उपमुख्यमंत्री एवं सागर जिले के प्रभारी मंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने बंडा क्षेत्र में अवैध, जहरीली शराब हादसे से प्रभावित गांवों का सघन दौरा कर पीड़ित परिवारों से मुलाकात की। उन्होंने शोकाकुल परिजनों के प्रति गहरी शोक संवेदना व्यक्त करते हुए उन्हें ढांढस बंधाया और आश्वस्त किया कि दुख की इस कठिन घड़ी में राज्य सरकार उनके साथ खड़ी है।

अत्यंत हृदय विदारक घटना

शुक्ल ने बंडा, शाहगढ़ तहसील के ग्राम बमूरा भेड़ा, नौराज, गूगरा खुर्द, धुरमार, चौका, हनौती एवं पापेट पहुंचकर पीड़ित तथा मृतक परिवारों के सदस्यों से व्यक्तिगत रूप से भेंट की। उन्होंने कहा कि यह अत्यंत हृदय विदारक घटना है और प्रभावित परिवार कठिन दौर से गुजर रहे हैं। उन्होंने परिजनों को सांत्वना देते हुए स्पष्ट किया कि शासन की ओर से नियमानुसार सभी प्रभावित परिवारों को हरसंभव राहत उपलब्ध कराई जाएगी।

दोषियों की जड़ों को पूरी तरह समाप्त किया जाए

घटना पर कड़ा रुख अपनाते हुए उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि अवैध शराब के कारोबार में लिप्त शराब माफियाओं और इसमें शामिल किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। परिजनों द्वारा की गई मांग पर उन्होंने जानकारी दी कि पुलिस एवं प्रशासन द्वारा अब तक 10 से अधिक आरोपियों को हिरासत में लिया जा चुका है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अवैध शराब के निर्माण, परिवहन और वितरण के मुख्य स्रोत तक पहुंचकर जड़ों को पूरी तरह समाप्त किया जाए, ताकि दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाई जा सके।

नशामुक्त समाज के लिए ग्रामीणों से की अपील

उप मुख्यमंत्री ने भ्रमण के दौरान ग्रामीणों एवं स्थानीय जन-प्रतिनिधियों से संवाद करते हुए गांवों को पूर्णतः नशामुक्त बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि नशे की लत न केवल व्यक्ति को बल्कि पूरे परिवार और समाज को तबाह कर देती है। इसलिए सभी नागरिक अपनी सामाजिक जिम्मेदारी निभाते हुए नशे की लत से दूर रहें। उन्होंने रेखांकित किया कि क्षेत्र में पूर्व में भी नशामुक्ति के लिए जनसहयोग से प्रयास हुए हैं; भविष्य में भी अवैध नशे के कारोबार पर पूर्ण विराम लगाने और इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए शासन-प्रशासन पूरी कड़ाई और गंभीरता से कार्य कर रहा है। इस दौरान बंडा विधायक वीरेंद्र सिंह, जिला अध्यक्ष रानी कुशवाहा, कलेक्टर प्रतिभा पाल, पुलिस अधीक्षक अनुराग सुजनिया, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी जगदीश गोमे, अपर कलेक्टर अविनाश रावत, एडिशनल एसपी जयदीप भदोरिया, बंडा एसडीएम आरती यादव, बंडा एसडीओपी प्रदीप वाल्मीकि सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी अधिकारी मौजूद थे।

तेंदूखेड़ा में आउटसोर्स कर्मचारियों का फूटा गुस्सा, तीन माह से नहीं मिला वेतन

स्वास्थ्य केंद्र के स्टाफ ने 8 सितंबर को सामूहिक अवकाश का दिया आवेदन

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तेंदूखेड़ा में कार्यरत आउटसोर्स कर्मचारियों ने पिछले तीन-चार माह से वेतन नहीं मिलने की समस्या को लेकर नाराजगी जताई है। कर्मचारियों ने मुख्य खंड चिकित्सा अधिकारी तेंदूखेड़ा को आवेदन सौंपकर 8 सितंबर 2026 को सामूहिक अवकाश दिए जाने की मांग की है। कर्मचारियों का कहना है कि वेतन नहीं मिलने के कारण उन्हें आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

आवेदन में उल्लेख किया गया है कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तेंदूखेड़ा में एनआरसी सपोर्ट स्टाफ, एनटीएस, सुरक्षाकर्मी, सामुदायिक कर्मचारी एवं सफाईकर्मी सहित विभिन्न पदों पर आउटसोर्स कर्मचारी सेवाएं दे रहे हैं। इन कर्मचारियों का आरोप है कि उन्हें पिछले तीन-चार माह का वेतन अब तक प्राप्त नहीं हुआ है। इसके अलावा अप्रैल 2024 से बढ़े हुए वेतन का

एरियर्स भी कर्मचारियों को नहीं मिला है। कर्मचारियों ने बताया कि वे अपनी समस्याओं के निराकरण के लिए 8 सितंबर को दमोह पहुंचकर कलेक्टर एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी से मुलाकात करेंगे और लंबित वेतन तथा एरियर्स के भुगतान की मांग रखेंगे। इसी उद्देश्य से उन्होंने एक दिन का सामूहिक अवकाश स्वीकृत करने का अनुरोध किया है। आउटसोर्स कर्मचारियों ने अधिकारियों से मांग की है कि उनकी आर्थिक स्थिति एवं लंबे समय से लंबित वेतन को ध्यान में रखते हुए शीघ्र आवश्यक कार्रवाई की जाए तथा बकाया वेतन एवं एरियर्स का भुगतान कराया जाए। आवेदन पर गिरजेश कुमार, विजय सिंह, मिथलेश पॉल, सुखदेव बैन, प्रशांत माझी, शकुन रैकवार, नेहा साहू, प्रीति वाल्मीकि, सपना लोधी, अजय लोधी, राजेश साहू गैसा सहित अन्य आउटसोर्स कर्मचारियों के नाम दर्ज हैं।

दादा और पोती को सोते में सांप ने डसा, 10 साल की दुर्गा की मौत

सरसेला में रात 1 बजे की घटना, बिस्तर के पास दिखा सांप; ग्रामीणों ने व्यवस्था पर उठाए सवाल

तारादेही/तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

तारादेही थाना क्षेत्र के ग्राम सरसेला में घर में दादा के साथ सो रही 10 वर्षीय बच्ची दुर्गा कुर्मी पटेल की जहरीले सांप के डसने से मौत हो गई, जबकि उसके 60 वर्षीय दादा रामेश पटेल की हालत गंभीर होने पर उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। घटना के बाद गांव में शोक का माहौल है। पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई कर शव का पोस्टमार्टम कराते हुए मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत बोरिया के आश्रित ग्राम सरसेला निवासी रामेश पटेल और उनकी पोती दुर्गा सोमवार रात घर में एक ही बिस्तर पर सो रहे थे। रात करीब एक-दो बजे दोनों को जहरीले सांप ने डस लिया। परिजन पहले रामेश पटेल को निजी वाहन से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तेंदूखेड़ा ले गए, जहां से उन्हें जबलपुर रेफर कर दिया गया इसी दौरान घर से सूचना मिली कि पोती दुर्गा की तबीयत भी तेजी से बिगड़ रही है। परिजन उसे सुबह करीब पांच बजे तेंदूखेड़ा अस्पताल लेकर पहुंचे।

मेट्रो एंकर तेंदूखेड़ा में रंगाई-सजावट तेज, इको-फ्रेंडली प्रतिमाओं की मांग बढ़ी

14 से गणेश उत्सव, मिट्टी के गणेश को अंतिम रूप दे रहे मूर्तिकार

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

आगामी 14 सितंबर से गणेश उत्सव का शुभारंभ होने जा रहा है। पर्व को लेकर नगर एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में तैयारियां शुरू हो गई हैं। गणेश उत्सव के मद्देनजर स्थानीय मूर्तिकार इन दिनों मिट्टी से भगवान गणेश की आकर्षक प्रतिमाएं तैयार करने में जुटे हुए हैं। मूर्तिकार प्रतिमाओं को आकार देने के साथ ही उनकी रंगाई-पुताई और सजावट का कार्य भी तेजी से पूरा कर रहे हैं। नगर सहित आसपास के क्षेत्रों में गणेश उत्सव को लेकर विशेष उत्साह देखने को मिल रहा है। यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु अपने घरों में भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापित करते हैं। वहीं विभिन्न स्थानों पर सार्वजनिक गणेश पंडाल भी सजाए जाते हैं। दस दिनों तक चलने वाले इस धार्मिक पर्व के दौरान नगर में भक्ति और उत्साह का वातावरण बना रहता है। मूर्तिकारों का कहना है कि श्रद्धालुओं की मांग को देखते हुए इस बार भी अलग-अलग आकार और आकर्षक स्वरूप वाली मिट्टी की प्रतिमाएं तैयार की जा रही हैं। पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए मिट्टी की प्रतिमाओं के प्रति लोगों का रुझान भी बढ़ रहा है। गणेश उत्सव के दौरान प्रतिदिन पूजा-अर्चना, आरती और धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। पर्व के अंतिम दिन श्रद्धालु विधि-विधान से भगवान गणेश की प्रतिमाओं का विसर्जन करेंगे।

आठ लोगों पर केस दर्ज, 40 लीटर हाथभट्टी शराब भी बरामद

इटारसी में आबकारी विभाग की 5 इलाकों में दबिश, 550 किलो महुआ लाहन जब्त

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

सागर में जहरीली शराब से हुई मौतों के बाद इटारसी में आबकारी विभाग ने अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देश और जिला आबकारी अधिकारी डॉ. राजीव प्रसाद द्विवेदी के मार्गदर्शन में सोमवार को शहर के अलग-अलग इलाकों में दबिश दी गई। कार्रवाई के दौरान आबकारी विभाग ने 8 प्रकरण दर्ज कर करीब 550 किलो महुआ लाहन और 40 लीटर हाथभट्टी शराब जब्त की।

आबकारी विभाग की टीम ने वृत्त इटारसी शहर के अंतर्गत नाला मोहल्ला, सूरजगंज, बालाजी मंदिर, मेहरागांव और गरीबी लाइन क्षेत्र में कार्रवाई की। जब्त सामग्री की अनुमानित कीमत करीब 63 हजार रुपए बताई गई है। सभी मामलों में मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 के तहत प्रकरण कायम किए गए हैं।कार्रवाई में वृत्त प्रभारी सहायक जिला आबकारी अधिकारी रमेश

अहिरवार, आबकारी उपनिरीक्षक केके पडरिया और आरपी निमोदा, प्रधान आबकारी आरक्षक दुर्गाप्रसाद मांझी, मदन रघुवंशी और राजेश गौर सहित आबकारी आरक्षक धर्मेंद्र बारंगे, दुर्गेश पठारिया तथा महिला आबकारी आरक्षक भावना यादव और माया पांडोल की भूमिका रही।

अभियान जारी रहेगाः जिला आबकारी अधिकारी डॉ. राजीव प्रसाद द्विवेदी ने बताया कि जिले में अवैध मदिरा के निर्माण, संग्रहण और बिक्री के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा। अवैध शराब से जुड़े मामलों में विभाग की टीमें लगातार निगरानी और कार्रवाई कर रही हैं।

तेंदूखेड़ा में 10 लीटर कच्ची, 23 पाव मसाला शराब जब्त

पुलिस द्वारा क्षेत्र में अवैध शराब के संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दी जा रही है। कार्रवाई के दौरान अवैध शराब बनाने में उपयोग होने वाले लहान को नष्ट करने के साथ ही शराब की जब्ती की जा रही है। पुलिस की लगातार कार्रवाई से अवैध शराब के कारोबार में संलिप्त लोगों में हड़कंप की स्थिति बनी हुई है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि अवैध एवं जहरीली शराब के निर्माण और बिक्री के खिलाफ अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

तेंदूखेड़ा। सागर जिले के बडा क्षेत्र में जहरीली शराब से हुई घटना के बाद वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के निर्देश पर क्षेत्र में अवैध शराब के निर्माण एवं बिक्री के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर थाना तेंदूखेड़ा पुलिस द्वारा नगर निरीक्षक सरोज ठाकुर के नेतृत्व में विभिन्न स्थानों पर कार्रवाई की गई। पुलिस ने कार्रवाई के दौरान बेलढाना निवासी आरोपी कौशल केवट के कब्जे से करीब 10 लीटर कच्ची शराब जब्त की। साथ ही अवैध शराब निर्माण के लिए तैयार करीब 30 लीटर लहान को मौके पर नष्ट कराया गया। इसी प्रकार पुलिस टीम ने हरदुआ निवासी चक्रेश यादव पिता गौरी यादव के कब्जे से 23 पाव लाल मदिरा मसाला शराब जब्त की। दोनों मामलों में पुलिस द्वारा नियमानुसार कार्रवाई की गई।

महू : पैर फिसलने से कुंड में गिरी बहन, बचाने उतरा भाई भी डूबा

महू। दोपहर मेट्रो

सिमरोल थाना क्षेत्र के लोधिया कुंड में सोमवार को घूमने पहुंचे एक परिवार की खुशियां उस समय मातम में बदल गईं, जब पानी में डूबने से चचेरे भाई-बहन की मौत हो गई। हादसा अंजलि चौहान के पैर फिसलने के बाद हुआ। वह पानी में डूबने लगी तो उसे बचाने के लिए अजीत सिंह चौहान ने कुंड में छलांग लगा दी।

अंजलि को बचाने के प्रयास में अजीत भी गहरे पानी में चला गया। दोनों को डूबता देख स्वजनों ने मदद के लिए शोर मचाया। ग्रामीणों ने दोनों को पानी से बाहर निकाला, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। सिमरोल थाना प्रभारी कुलदीप खत्री के अनुसार अजीत और अंजलि अपने स्वजनों के साथ लोधिया कुंड घूमने पहुंचे थे। कुंड के पास अंजलि का अचानक पैर फिसला और वह पानी में जा गिरी। उसे बचाने के लिए अजीत तत्काल पानी में उतरा, लेकिन पानी की अधिक गहराई के कारण वह भी संभल नहीं पाया। कुछ ही देर में दोनों पानी में डूब गए। हादसे के बाद स्वजनों की चीख-पुकार सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों ने दोनों को पानी से बाहर निकाला और पुलिस को सूचना दी। सिमरोल पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए महू स्थित मध्यभारत अस्पताल भेजा। मृतकों की पहचान अजीत सिंह पिता भूपेंद्र चौहान (25) निवासी गोरी नगर, इंदौर और अंजलि चौहान पिता देवीसिंह चौहान (23) निवासी एमबी-59, वीणा नगर, सुखलिया, इंदौर के रूप में हुई है। दोनों आपस में चचेरे भाई-बहन थे। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू की। थाना प्रभारी कुलदीप खत्री ने बताया कि सोमवार शाम दोनों का पोस्टमार्टम कराया गया। इसके बाद शव उनके स्वजनों को सौंप दिए गए।

समयावधि बैठक में कलेक्टर सख्त, वायरल संक्रमण पर स्वास्थ्य विभाग अलर्ट, सड़क मरम्मत के निर्देश

सीएम हेल्पलाइन में डी-श्रेणी वालों को एक हफ्ते का अल्टीमेटम, खाद उठाव की साप्ताहिक रिपोर्ट तलब

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक में कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने अधिकारियों को लंबित शिकायतों और जनहित के कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत चिन्हित शिकायतों का शत-प्रतिशत निराकरण कर पोर्टल पर प्रविष्टियां समय पर दर्ज की जाएं। लापरवाही करने वाले एसडीएम व अधिकारियों को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए। मौसम परिवर्तन के चलते वायरल संक्रमण बढ़ने की आशंका को देखते हुए कलेक्टर ने जिला

अस्पताल सहित सभी सरकारी अस्पतालों को अलर्ट रहने और ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्रों में पर्याप्त दवाइयां उपलब्ध रखने को कहा। सीएम हेल्पलाइन में डी श्रेणी वाले विभागों को एक सप्ताह में स्थिति सुधारने के निर्देश दिए। नर्मदापुरम नगर पालिका और सिवनीमालवा जनपद की अधिक शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निराकरण करने को कहा।

सड़कें सुधरेंगी: कलेक्टर ने नगरीय निकायों और संबंधित विभागों को एक सप्ताह में क्षतिग्रस्त सड़कों की रिपोर्ट तैयार कर मरम्मत शुरू करने के निर्देश दिए। सड़कों के साथ साइड शोल्डर का भी तकनीकी सुधार करने को कहा।

राजस्व प्रकरणों पर फोकस: अविवादित नामांतरण और बंटवारे के प्रकरण समय-सीमा में निपटाने तथा न्यायालयीन मामलों में समय पर जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

खाद उठाव की साप्ताहिक रिपोर्ट : समितिवार खाद उठाव की रिपोर्ट हर सप्ताह प्रस्तुत करने और धीमी वितरण वाली समितियों की विशेष समीक्षा के निर्देश दिए गए। फार्मर रजिस्ट्री की धीमी प्रगति पर संबंधित तहसीलदारों को नोटिस जारी करने तथा गिरदावरी में तेजी लाने को कहा। गिरदावरी के दौरान बासमती धान का रकबा भी अनिवार्य रूप से दर्ज करने के निर्देश दिए।

सागर कांड के बाद भी अनूपपुर में बेखौफ नकली शराब का खेल, प्रशासन पर सवाल

अनूपपुर। दोपहर मेट्रो

सागर में जहरीली शराब से जुड़ी घटना के बाद पूरे मध्यप्रदेश में अवैध और नकली शराब के कारोबार को लेकर चिंता बढ़ गई है। लेकिन अनूपपुर जिले में शराब के अवैध कारोबार को लेकर सामने आ रही शिकायतों ने जिला प्रशासन और आबकारी विभाग की निगरानी व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

आरोप हैं कि कोतमा क्षेत्र में अंग्रेजी शराब की कथित रूप से अवैध पैकिंग की जा रही है। शराब तैयार करने में इस्तेमाल होने वाली स्प्रिट और मेथनॉल बाहर से मंगाए जा रहे हैं।

वहीं पुष्पराजगढ़ तहसील क्षेत्र में 'पेलन' और 'मसाला' नाम से शराब की पैकिंग की जा रही है।

पैकिंग के पीछे कौन कहां से आता है माल : अनूपपुर जिले में अवैध तरीके से शराब की पैकिंग किए जाने की शिकायतें हैं, तो केवल तैयार शराब पकड़ना पर्याप्त नहीं होगा। प्रशासन और आबकारी विभाग को पूरे कथित नेटवर्क की तह तक पहुंचकर जांच करनी चाहिए। जांच का प्रमुख विषय यह होना चाहिए कि कोतमा क्षेत्र में शराब पैकिंग किन स्थानों पर हो रही है और पुष्पराजगढ़ में 'पेलन' व 'मसाला' की पैकिंग कहां की जा रही है। बोतल, ढक्कन, लेबल और सील की आपूर्ति कहां से होती है, स्प्रिट कहां से खरीदी और लाई जाती है पैकिंग में इस्तेमाल स्थानों और साधनों, तैयार शराब की आपूर्ति के क्षेत्रों तथा पूरे सप्लाई नेटवर्क की पड़ताल होनी चाहिए। बरामद शराब के नमूने अधिकृत प्रयोगशाला में जांच के लिए भेजकर उसकी गुणवत्ता और उसमें मौजूद रसायनों की वास्तविक स्थिति भी सार्वजनिक की जानी चाहिए। कुछ दिन पूर्व कोतमा थाना क्षेत्र में शराब दुकान के पास एक पुरुष की मौत का मामला सामने आया था। मृतक के शराब के नशे में होने और शराब के सेवन को मौत से जोड़कर देखा दुकानदार द्वारा यह बताया गया कि मृतक अपने साथ ओसी शराब का क्वार्टर लेकर आया था। ऐसे में घटना को लेकर कई सवाल खड़े होते हैं। मृतक के पास मिली शराब कहां से आई थी शराब का सेवन करने के बाद उसकी तबीयत बिगड़ने के वास्तविक कारण क्या थे। क्या मृतक के पास मौजूद शराब का नमूना सुरक्षित कर उसकी प्रयोगशाला जांच कराई गई?

13 से ज्यादा राज्यों में पांच करोड़ की साइबर ठगी करने वाले दो आरोपी इंदौर में गिरफ्तार

इंदौर। दोपहर मेट्रो

ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी एवं अंतरराज्यीय साइबर अपराधों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए क्राइम ब्रांच ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। दोनों के खिलाफ देशभर के 13 से ज्यादा राज्यों में लगभग पांच करोड़ रुपये की ठगी से संबंधित दर्जनों साइबर अपराध की शिकायतें दर्ज हैं। आरोपितों के कब्जे से चार मोबाइल, आठ सिमकार्ड, 10 पासबुक व 11 एटीएम कार्ड बरामद कर प्रकरण दर्ज किया गया है।

पुलिस आयुक्त के निर्देशों के परिप्रेक्ष्य में पुलिस उपायुक्त (अपराध) के मार्गदर्शन में क्राइम ब्रांच द्वारा 'ऑपरेशन मैट्रिक्स' के तहत लगातार कार्रवाई की जा रही है। राज्य साइबर पुलिस मुख्यालय से प्राप्त जानकारी एवं आइफोरसी (भारतीय साइबर अपराध समन्वय

केंद्र), गृह मंत्रालय, भारत सरकार, एनसीआरपी व साइबर क्राइम पोर्टल से प्राप्त संदिग्ध म्यूल बैंक खाताधारकों एवं उनके सहयोगियों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई के लिए उपलब्ध कराए गए डेटा के आधार पर ऑपरेशन मैट्रिक्स के अंतर्गत कार्रवाई की जा रही है। उक्त जानकारी पर यूको बैंक शाखा, महू, इंदौर के एक म्यूल खाते के संबंध में जांच करने पर पाया गया कि इस खाते के माध्यम से तमिलनाडु, बंगाल, गुजरात, उत्तराखंड, दिल्ली, महाराष्ट्र, राजस्थान, हरियाणा, झारखंड, गोवा, ओडिशा, उत्तर प्रदेश, बिहार आदि राज्यों से लगभग पांच करोड़ रुपये की ठगी से संबंधित दर्जनों शिकायतें दर्ज हैं। एक मुख्य म्यूल खाता, जिसमें पांच करोड़ से ज्यादा का संदिग्ध लेन-देन क्राइम ब्रांच डीसीपी राजेश त्रिपाठी के अनुसार जांच में पाया गया कि आरोपी दीपक राव द्वारा अपने बैंक खाते को म्यूल खाते के रूप में और अपने नाम का सिमकार्ड (जिस पर बैंक ओटीपी आते थे) गौरव राठौर को उपलब्ध कराकर संगठित रूप से मल्टी-स्टेट साइबर फ्राड एवं आर्थिक धोखाधड़ी को अंजाम दिया जा रहा था। यूको बैंक का एक मुख्य म्यूल खाता है, जिसमें पांच करोड़ से ज्यादा का संदिग्ध लेन-देन पाया गया।

हाई कोर्ट के सेवानिवृत्त जज दिनेश पालीवाल को बड़ी जिम्मेदारी

जबलपुर। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति दिनेश कुमार पालीवाल को राज्य शासन ने महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। किशोर न्याय व्यवस्था से संबंधित राज्य स्तरीय चयन समिति के रिक्त अध्यक्ष पद पर उनकी नियुक्ति की गई है। राज्य स्तरीय चयन समिति के रिक्त सदस्य पद पर मध्य प्रदेश राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ. निवेदिता शर्मा को नियुक्त किया गया है। इसी क्रम में शासन ने निवाड़ी, मऊगंज, मैहर और पांढुर्णा जिलों के लिए किशोर न्याय बोर्ड का गठन किया है। ये बोर्ड कानून का उल्लंघन करने वाले बालकों से संबंधित मामलों में अधिनियम के तहत निर्धारित शक्तियों का प्रयोग करेंगे। चारों जिलों में बाल कल्याण समितियां भी गठित की गई हैं।

इंदौर में सिंगापुर टाउनशिप के रास्ते में बने अंडरपास में फिर भरा पानी, घंटों तक परेशान होते रहे लोग

इंदौर। दोपहर मेट्रो

एबी रोड स्थित सिंगापुर टाउनशिप में सोमवार शाम तेज बारिश के कारण अंडरपास में पानी भर गया। इससे नया अंडरपास बंद हो गया। सैकड़ों वाहन चालकों को पुराने अंडरपास से ही आवागमन करना पड़ा। यातायात बाधित होने से वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और चालक परेशान होते रहे। सिंगापुर टाउनशिप में कुछ महीने पूर्व पश्चिम रेलवे ने नया अंडरपास बनाया था।

वर्षाकाल की पहली ही बारिश ने नए अंडरपास की पोल खोल दी। रहवासी सवाल उठा रहे हैं कि रेलवे के इंजीनियरों और अधिकारियों ने करोड़ों रुपये खर्च कर किस तरह की प्लानिंग से नया अंडरपास बनाया, जो पूरी तरह विफल हो चुका है। पानी निकासी की कोई व्यवस्था नहीं रखी गई, जबकि रेलवे अधिकारियों

ने दावा किया था कि नया अंडरपास बनने के बाद जलभराव की समस्या खत्म हो जाएगी, लेकिन करोड़ों रुपये खर्च के बाद भी हालात जस के तस हैं। रहवासी यशवंत परमार ने बताया कि नया अंडरपास बारिश के पानी से पूरा भर गया। घंटों तक वाहन चालकों को आवागमन में परेशानी हुई। केवल पुराना अंडरपास ही चालू था। ट्रैफिक जाम में दोनों तरफ से बड़े वाहन आपस में उलझते हुए निकलने को मजबूर हुए। अंडरपास में पानी निकासी नहीं होने के कारण स्थिति और बिगड़ गई। कई वाहन चालकों ने रास्ता बदलकर गंतव्य तक पहुंचने का प्रयास किया। इस दौरान आसपास की सड़कों पर भी यातायात का दबाव बढ़ गया। नगर निगम को एमआईजी और भागीरथपुरा की मदनपुरी कॉलोनी में पेड़ गिरने की शिकायत मिली थी। टीम ने मौके पर पहुंचकर पेड़ों को हटाया और मार्ग को वाहन चालकों के लिए सुचारु किया। दोपहर से शाम तक हुई बारिश के कारण शहर की कुछ सड़कों और चौराहों पर पानी भर गया।

मेट्रो एंकर राजा मोहल्ला बाइक चोरी और शांति नगर लूट में मिली अहम फुटेज, शहर का आधा हिस्सा निगरानी में

नागरिकों ने लगवाए 38 सीसीटीवी, एक दर्जन वारदातें सुलझीं, एसपी-एएसपी ने किया सम्मान

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

शहर में अपराधों पर अंकुश लगाने और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के लिए पुलिस की अपील पर स्थानीय लोगों ने सुरक्षा व्यवस्था में अहम भागीदारी निभाई है। शहर के 11 सार्वजनिक स्थानों पर लोगों ने करीब 38 सीसीटीवी कैमरे लगवाए हैं। इन कैमरों की मदद से पुलिस को चोरी और लूट की करीब एक दर्जन से अधिक वारदातों के आरोपियों तक पहुंचने में महत्वपूर्ण सुराग मिले हैं।

हाल ही में राजा मोहल्ले में हुई बाइक चोरी की घटना भी सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई। वहीं शांति नगर में

वृद्ध से हुई लूट के मामले में भी आरोपियों तक पहुंचने में स्थानीय लोगों के कैमरों की फुटेज पुलिस के लिए अहम साबित हुई।

एएसपी अभिषेक राजन ने बताया कि कोतवाली और देहात थाना क्षेत्र में हाल में हुई चोरी और लूट की घटनाओं की जांच के दौरान लोगों के घरों और प्रतिष्ठानों पर लगे सीसीटीवी कैमरों से महत्वपूर्ण सुराग मिले। पुलिस के आग्रह पर शहरवासियों ने अपने घरों के सामने और सार्वजनिक स्थानों पर कैमरे लगाकर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने में सहयोग किया है।

आधे से अधिक शहर कैमरों की निगरानी में : शहर में सार्वजनिक स्थानों पर लगाए गए 38 कैमरों के अलावा बड़ी संख्या में लोगों ने अपने घरों और प्रतिष्ठानों के आसपास भी सीसीटीवी कैमरे लगाए हैं। पुलिस विभाग के कैमरों से भी चौक-चौराहों और प्रमुख मार्गों की निगरानी की जा रही है। बस स्टैंड, सतयस्ता, उत्तरास्ता और रेलवे स्टेशन के आसपास के क्षेत्रों में पुलिस लगातार निगरानी रख रही है। कोतवाली थाना प्रभारी गौरव सिंह बुंदेला ने बताया कि पुलिस कंट्रोल रूम से शहर के विभिन्न लोकेशन की लगातार मॉनीटरिंग की जाती है। किसी घटना के बाद आसपास लगे निजी कैमरों की फुटेज भी जांच में उपयोगी साबित होती है।

नगरहित में सहयोग करने वाले नागरिकों का सम्मान : पुलिस विभाग की ओर से सीसीटीवी कैमरे लगाने में सहयोग करने वाले नागरिकों का सम्मान किया गया। एसपी साई कृष्ण थोटा और एएसपी अभिषेक राजन ने समाजसेवी नीरजा फौजदार, बिल्डर दिगेंद्र सिंह राठौड़, मनोज सिंह भदौरिया,, आशीष चटर्जी, साहित्यकार अशोक जमनानी, व्यापारी राजू जमनानी, रामचंद्र मूलचंदानी, उद्वित द्विवेदी, श्रीनिवास, नीतेश खंडेलवाल, महेंद्र चौकसे, गौरव कुमार, राम नवलानी और समेरिटन्स ग्रुप ऑफ स्कूल्स के डायरेक्टर डॉ. आशुतोष कुमार शर्मा का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में एसडीओपी जितेंद्र पाठक, देहात थाना प्रभारी उषा मरावी, सहित पुलिस स्टाफ मौजूद रहा।

ग्वालियर : आवारा कुत्तों एक दिन में 189 लोगों को काटा

तेंदूखेड़ा। शहर में कुत्तों के काटने के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। मुरार जिला अस्पताल में डॉग बाइट के कुल 91 मामले दर्ज किए गए, जिनमें 25 नए मरीज शामिल हैं। वहीं जयारोग्य अस्पताल (जेएएच) में एक दिन में 98 डॉग बाइट के मामले सामने आए। जेएएच में दर्ज 98 मामलों में 22 पुराने और 76 नए मामले शामिल हैं। अस्पतालों में बड़ी संख्या में मरीजों के पहुंचने से एंटी रेबीज वैक्सीन लगवाने के लिए भीड़ दिखाई दे रही है। चिकित्सकों का कहना है कि कुत्ते के काटने या खरोंच लगने पर घाव को तत्काल साबुन और बहते पानी से अच्छी तरह धोना चाहिए। इसके बाद बिना देरी किए अस्पताल पहुंचकर चिकित्सकीय सलाह के अनुसार एंटी रेबीज वैक्सीन लगवाना जरूरी है।

'बच्चा' नहीं, अब बड़ा खतरा!

15 साल के वैभव ने सीनियर गेंदबाजों की उड़ाई नींद, तिलक की स्लेजिंग ने बढ़ाई गर्मी

नई दिल्ली , एजेंसी

क्रिकेट के मैदान पर उम्र अक्सर अनुभव के आगे छोटी पड़ जाती है, लेकिन वैभव सूर्यवंशी ने इस समीकरण को उलटने का काम शुरू कर दिया है। महज 15 साल की उम्र में बड़े गेंदबाजों के खिलाफ बेखौफ बल्लेबाजी करने वाला यह युवा अब विपक्षी टीमों के लिए गंभीर चुनौती बन चुका है। चेन्नई में दलीप ट्रॉफी फाइनल के दौरान वैभव सूर्यवंशी और तिलक वर्मा के बीच हुई तीखी बहस ने भी इसी बदलती तस्वीर की ओर इशारा किया।

'बच्चा' से अब विपक्ष की चिंता तक

कुछ समय पहले तक वैभव को क्रिकेट जगत में एक प्रतिभाशाली बच्चे के तौर पर देखा जाता था। लेकिन आईपीएल में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से उन्होंने तेजी से पहचान बनाई और अब घरेलू क्रिकेट में भी सीनियर खिलाड़ियों के बीच अपनी जगह बना रहे हैं। दलीप ट्रॉफी के सेमीफाइनल में 92 और 40 रन की पारियां खेलने के बाद वैभव ने फाइनल में भी उसी आत्मविश्वास के साथ शुरुआत की। उनका अंदाज साफ था–गेंदबाज कितना भी बड़ा नाम क्यों न हो, वह पीछे हटने वाले नहीं हैं।

तिलक के तंज से बढ़ा विवाद

फाइनल में ईस्ट जोन की पारी के दौरान वैभव और अभिमन्यु ईश्वरन ने तेजी से रन जुटाए। वैभव ने सीनियर गेंदबाजों के खिलाफ भी आक्रामक रुख बनाए रखा। इसी दौरान साउथ जोन के कप्तान तिलक वर्मा ने उन्हें स्लेज करना शुरू किया। 11वें ओवर में तिलक ने वैभव को लेकर टिप्पणी की और इसके बाद दोनों के बीच बहस बढ़ गई। स्थिति उस समय ज्यादा गर्म हो गई जब तिलक वैभव की ओर बढ़े और उनका हाथ भी आक्रामक मुद्रा में नजर आया। वैभव भी पीछे नहीं हटे। मामला बिगड़ता देख अंपायर को बीच में आकर दोनों खिलाड़ियों को अलग करना पड़ा। यह घटना कुछ ही पलों की थी, लेकिन उसने वैभव की बदलती हैसियत जरूर दिखा दी। अब विपक्ष उन्हें उम्र के आधार पर नजरअंदाज करने को तैयार नहीं है।

सिराज के सामने भी बेखौफ

वैभव की सबसे बड़ी ताकत उनका निडर अंदाज है। मोहम्मद सिराज जैसे अनुभवी तेज गेंदबाज के खिलाफ भी उन्होंने मैदान के चारों तरफ शॉट लगाने से परहेज नहीं किया। दलीप ट्रॉफी फाइनल में भी उन्होंने तेज शुरुआत की और 37 गेंदों पर 44 रन बनाए। उनकी पारी में पांच चौके और एक छक्का शामिल रहा। हालांकि एक बार फिर वह अच्छी शुरुआत को बड़ी पारी में नहीं बदल सके। शॉर्ट गेंद पर अतिरिक्त उछाल के कारण उनका बल्ला चूका और टॉप एज के जरिए कैच हो गया। यही वह क्षेत्र है, जहां वैभव को अब अपने आक्रामक खेल के साथ संयम भी जोड़ना होगा। मैदान पर स्लेजिंग क्रिकेट का पुराना हिस्सा है और तिलक की घटना को सीधे किसी व्यक्तिगत विवाद से जोड़ना जल्दबाजी होगी। लेकिन इतना जरूर है कि वैभव अब विपक्ष की रणनीति का अहम हिस्सा बन चुके हैं।

घर में भारत को 3-0 से हराने के बाद कीवियों का बढ़ा आत्मविश्वास

कोहली-रोहित के लिए न्यूजीलैंड ने कसी कमर सेंटनर बोले- इस बार खुलकर नहीं खेलने देंगे

नई दिल्ली , एजेंसी

भारत के आगामी न्यूजीलैंड दौरे को लेकर मेजबान टीम ने अभी से अपनी रणनीति तैयार करनी शुरू कर दी है। न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सेंटनर ने साफ संकेत दिए हैं कि उनकी टीम की नजर खास तौर पर भारतीय क्रिकेट के दो अनुभवी सितारों विराट कोहली और रोहित शर्मा पर रहेगी। सेंटनर का मानना है कि दोनों बल्लेबाजों का न्यूजीलैंड की परिस्थितियों में शानदार रिकॉर्ड रहा है, लेकिन इस बार मेजबान टीम उन्हें अपनी बल्लेबाजी का पूरा जलवा दिखाने का मौका नहीं देना चाहती।

भारत को इस साल अक्टूबर-नवंबर में न्यूजीलैंड का दौरा करना है। इस दौरान दोनों टीमों के बीच पांच वनडे, पांच टी20 और दो टेस्ट मैच खेले जाएंगे। वर्ष 2027 में होने वाले वनडे विश्व कप की तैयारियों के लिहाज से यह दौरा बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। ऐसे में दोनों टीमें अपनी रणनीति और खिलाड़ियों के संयोजन को परखने के लिए इसे अहम अवसर के तौर पर देख रही हैं।मिचेल सेंटनर ने विराट कोहली और रोहित शर्मा की तारीफ करते हुए माना कि वनडे क्रिकेट में दोनों अब भी बेहद खतरनाक बल्लेबाज हैं। न्यूजीलैंड की परिस्थितियां भी इन दोनों को रास आती रही हैं। यही वजह है कि मेजबान टीम इन दोनों को शुरुआत से ही दबाव में रखने की कोशिश करेगी। सेंटनर का मानना है कि यदि भारत के इन अनुभवी बल्लेबाजों को क्रीज पर जमने का मौका मिल गया तो वे मैच का रुख अकेले बदल सकते हैं।

3-0 की जीत ने बढ़ाया कीवियों का हौसला | न्यूजीलैंड का आत्मविश्वास इसलिए भी ऊंचा है क्योंकि उसने पिछली बार भारत को उसी की धरती पर टेस्ट सीरीज में 3-0 से मात दी थी। यह जीत मेजबान टीम के लिए मनोवैज्ञानिक बढ़त भी लेकर आई है। अब न्यूजीलैंड की कोशिश अपने घर में भी भारत पर दबाव बनाए रखने की होगी।

युवा भारतीय टीम के सामने न्यूजीलैंड की कठिन परीक्षा

टेस्ट क्रिकेट को लेकर सेंटनर ने भारतीय टीम के युवा खिलाड़ियों को लेकर भी अपनी राय रखी। उनका मानना है कि न्यूजीलैंड की परिस्थितियां युवा भारतीय बल्लेबाजों के लिए आसान नहीं होंगी। यहां की पिचों पर गेंद को उछाल और स्विंग दोनों मिल सकते हैं। ऐसे में भारतीय बल्लेबाजों को शुरुआती दौर में परिस्थितियों के साथ तालमेल बैठाने में परेशानी हो सकती है। न्यूजीलैंड के मौसम और पिचों का मिजाज भारत की घरेलू परिस्थितियों से काफी अलग है। यही अंतर मेजबान टीम को घरेलू मैदान पर अतिरिक्त बढ़त दे सकता है।

युवा भारतीय बल्लेबाजों के लिए बाउंस और स्विंग बनेगी बड़ी चुनौती

एशियन गेम्स में खिताब बचाने उतरेगी भारतीय जोड़ी

चाइना में तिरंगा, अब एशियाड में सोने का लक्ष्य, चिराग और सात्विक तैयार!

चिराग बोले- बड़े मंच का दबाव अब आदत बन चुका है

नई दिल्ली , एजेंसी

भारत की स्टार पुरुष युगल बैडमिंटन जोड़ी सात्विकसाईराज रेंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी का शानदार प्रदर्शन लगातार जारी है। चाइना मास्टर्स में ऐतिहासिक खिताब जीतने के बाद अब इस भारतीय जोड़ी की नजरें एशियाई खेलों में एक बार फिर स्वर्ण पदक पर हैं। सात्विक और चिराग ने एशियन गेम्स 2022 में शानदार प्रदर्शन करते हुए पुरुष युगल का स्वर्ण पदक अपने नाम किया था। अब दोनों खिलाड़ी जापान के आइची-नागोया में होने वाले आगामी एशियाई खेलों में अपने खिताब का बचाव करने उतरेंगे।

सात्विक और चिराग ने हाल ही में बीडब्ल्यूएफ सुपर 750 चाइना मास्टर्स का खिताब जीतकर भारतीय बैडमिंटन में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की। फाइनल में भारतीय जोड़ी ने चीन के जी तिंग और रेन शियांग यू को तीन गेम तक चले मुकाबले में 11-21, 21-13, 21-17 से शिकस्त दी। खास बात यह रही कि 2005 में टूर्नामेंट शुरू होने के बाद से चाइना मास्टर्स का पुरुष युगल खिताब जीतने वाली यह पहली भारतीय जोड़ी बनी। यह जीत सात्विक-चिराग के लिए इसलिए भी खास है क्योंकि इससे पहले दोनों 2023 और 2025 में इस टूर्नामेंट के उपविजेता रहे थे, जबकि 2024 में उन्हें सेमीफाइनल में हार का सामना करना पड़ा था। चाइना मास्टर्स की इस जीत के साथ बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर पर भारतीय जोड़ी के खिताबों की संख्या 10 हो गई है। इस साल यह उनका दूसरा सुपर 750 खिताब और कुल चौथा खिताब है।

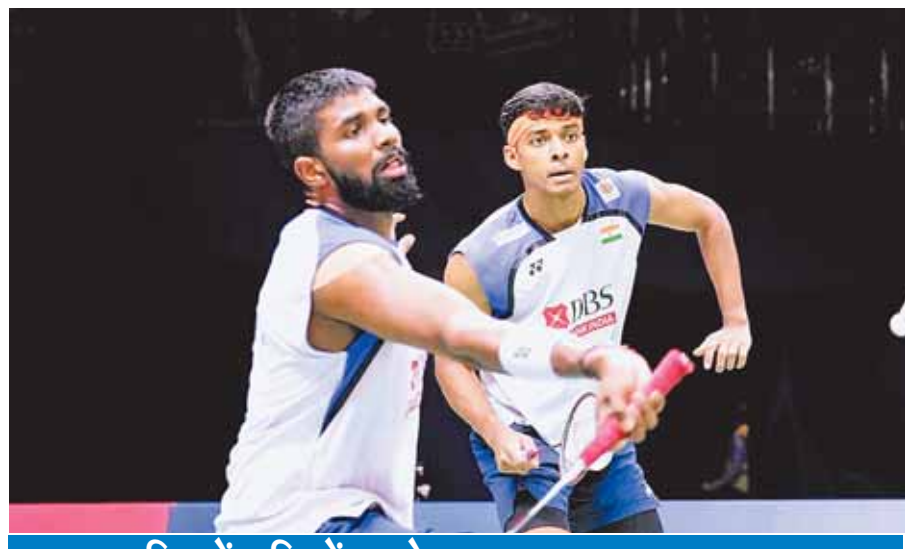

10 दिन में कमियों पर होगा काम

2026 एशियाई खेल 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक जापान के आइची-नागोया में आयोजित होंगे। प्रतियोगिता से पहले भारतीय जोड़ी के पास तैयारी के लिए करीब 10 दिन का समय रहेगा। चिराग के मुताबिक इस दौरान सबसे बड़ा लक्ष्य शरीर को फिट रखना और खेल से जुड़ी उन कमियों पर काम करना होगा, जिनमें सुधार की जरूरत है। भारतीय जोड़ी नागोया के लिए रवाना होने से पहले अपनी तैयारी को अंतिम रूप देना चाहती है। चिराग ने साफ किया कि टीम का लक्ष्य किसी अतिरिक्त दबाव में आने के बजाय अपनी कमजोरियों को सुधारना और एशियाई खेलों में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना है। एशियन गेम्स 2022 में दक्षिण कोरिया के चोई सोल-ग्यू और किम वोन-हो को हराकर स्वर्ण पदक जीतने वाली सात्विक-चिराग की जोड़ी के सामने अब खिताब बचाने की चुनौती है। चाइना मास्टर्स की हालिया सफलता ने दोनों खिलाड़ियों के आत्मविश्वास को और मजबूत किया है। ऐसे में भारतीय प्रशंसकों की नजरें एक बार फिर इस जोड़ी पर टिकी हैं कि क्या सात्विक और चिराग नागोया में भी तिरंगे की शान बढ़ाते हुए लगातार दूसरी बार एशियाई खेलों का स्वर्ण जीत पाएंगे।

एशियाड में दबाव को लेकर बेफिक्र चिराग

एशियन गेम्स की तैयारियों को लेकर चिराग शेट्टी ने कहा कि यह उनका तीसरा एशियन गेम्स होगा और अब उन्हें इतने बड़े मंच पर खेलने की आदत हो चुकी है। उनके मुताबिक किसी बड़े टूर्नामेंट में उतरने का अलग से कोई दबाव नहीं है, हालांकि हर मुकाबले में दबाव रहता है और असली चुनौती उसी दबाव से सही तरीके से निपटने की होती है।

मुश्ताक ने खोली पीसीबी की पोल

इज्जत नहीं दोगे तो देश के लिए काम करने से भी डरेगा इंसान!

नई दिल्ली। पाकिस्तान क्रिकेट टीम का इंग्लैंड दौरा अब तक किसी बुरे सपने की तरह रहा है. 9 सितंबर से होने वाली अंतिम टेस्ट से ठीक पहले सात खिलाड़ी और दो कोचों की छुट्टी कर दी गई है. पीसीबी यही नहीं रुकी, बोर्ड ने इस मामले में जांच के आदेश दे दिए हैं. बोर्ड प्रवक्ता आमिर मीर ने पुष्टि की है कि मीडिया रिपोर्टों और टीम के खराब बर्ताव की जांच शुरू कर दी गई है. खराब प्रदर्शन और ड्रेसिंग रूम के इस अंदरूनी तनाव ने पाकिस्तान क्रिकेट के इस निराशाजनक दौरे पर विवादों की नई परतें चढ़ा दी हैं. पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड में आए दिन होने वाली उथल-पुथल से अब उनके अपने ही दिग्गज खिलाड़ी परेशान हो चुके हैं. पूर्व दिग्गज स्पिनर मुश्ताक अहमद ने बोर्ड के रवैये और फायरिंग कल्चर को लेकर अपनी भड़ास निकाली है. उन्होंने साफ कहा है कि जब तक बोर्ड में इज्जत और सुरक्षा का माहौल नहीं होगा तब तक कोई भी अपनी जगह छोड़कर पाकिस्तान टीम का कोच बनने का जोखिम नहीं उठाएगा. मुश्ताक अहमद ने एक पॉडकास्ट के दौरान कहा कि हर पाकिस्तानी क्रिकेटर का सपना होता है कि वह अपने देश की सेवा करे. वह खुद भी कोचिंग की जिम्मेदारी संभालने के लिए तैयार हैं और यह उनके लिए एक सही समय है. लेकिन पीसीबी में जिस तरह जल्दबाजी और जज्बात में आकर फैसले लिए जाते हैं, उससे कोचिंग स्टाफ और खिलाड़ी हमेशा दहशत के साये में रहते हैं. मुश्ताक अहमद की यह नाराजगी यूं ही नहीं है. हाल ही में इंग्लैंड दौरे के बीच में ही पीसीबी ने अचानक फैसला लेते हुए 7 खिलाड़ियों को वापस घर भेज दिया था. इतना ही नहीं पूर्व खिलाड़ी और कोच सरफराज अहमद और उमर गुल को भी रातों-रात हटाकर विदेशी कोचों माइक हेसन और एशले नोफके को कमान सौंप दी गई.

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

दो मिनट में टूटा रिया अहीर का बिग बॉस सपना, जनता ने दिखाया बाहर का रास्ता!

नई दिल्ली। नीट विरोध प्रदर्शन के दौरान सुर्खियों में आईं रिया अहीर का बिग बॉस में सफर शुरू होते ही खत्म हो गया। मंच पर महज दो मिनट की मौजूदगी के बाद सलमान खान ने जनता का फैसला सुनाया और रिया को घर में प्रवेश का मौका नहीं मिल सका। हालांकि, रिया के बाहर होते ही सामाजिक माध्यमों पर उनके प्रशंसकों का गुस्सा सामने आने लगा। बड़ी संख्या में लोग रिया को दोबारा बिग बॉस के घर में लाने की मांग कर रहे हैं।

रिया अहीर और पंजाबी अभिनेत्री लव गिल के बीच जनता के मतों के आधार पर फैसला होना था। दोनों के बीच मंच पर करीब दो मिनट तक तीखी नोकझोंक भी देखने को मिली। लव गिल ने रिया के प्रदर्शन के तरीके पर सवाल उठाते हुए कहा कि उस दिन पुलिस की गाड़ी को रोकने के बजाय उसे आगे बढ़ जाना चाहिए था। उन्होंने यह भी कहा कि बिग बॉस के घर में हर व्यक्ति अपने अधिकारों के लिए खुद लड़ सकता है।

इसके बाद जनता की पसंद लव गिल के पक्ष में गई और रिया को बाहर होना पड़ा। रिया पर यह भी आरोप लगते रहे हैं कि उन्होंने प्रचार पाने के लिए कई तरह के तरीके अपनाए। यहां तक कि परिणाम सामने आने से पहले ही खुद को बिग बॉस की प्रतिभागी घोषित करने को लेकर भी उनकी आलोचना हुई थी।

रिया के बाहर होने के बाद सामाजिक माध्यमों पर प्रतिक्रियाओं की बाढ़ आ गई। कुछ लोगों ने उनके खिलाफ तीखी टिप्पणियां कीं, तो कई प्रशंसक उनके समर्थन में उतर आए। समर्थकों का कहना है कि रिया ने प्रदर्शनकारियों की मदद के लिए आवाज उठाई थी और उनके साथ मंच पर इस तरह की टिप्पणी उचित नहीं थी। कई लोगों ने सलमान खान के रवैये पर भी सवाल उठाए। उनका कहना है कि रिया को अपनी बात रखने का पर्याप्त अवसर मिलना चाहिए था। वहीं कुछ प्रशंसकों ने उन्हें बिग बॉस के लिए उपयुक्त बताते हुए दोबारा मौका देने की मांग की है।

क्या होगी रिया की दोबारा घर में वापसी?

रिया के प्रशंसकों को अब उनके दोबारा घर में आने की उम्मीद है। पिछले सत्र में भी ऐसा मामला सामने आया था, जब शुरुआती दौर में बाहर हुए शहबाज बाद में दोबारा घर में लौटे थे। इसी वजह से कयास लगाए जा रहे हैं कि रिया को भी आगे चलकर दोबारा मौका मिल सकता है।

रिया ने भी हाल ही में एक वीडियो साझा कर अपने समर्थकों का आभार जताया है। ऐसे में अब सबकी नजर इस बात पर है कि क्या रिया की बिग बॉस में वापसी होगी या उनका सफर यहीं खत्म हो जाएगा।

जिंदगी से जुड़े विवादों की इतनी आदी हो चुकी हूं कि फर्क ही नहीं पड़ता : बोलीं आम्रपाली दुबे

मुंबई। भोजपुरी सिनेमा की लोकप्रिय अभिनेत्री आम्रपाली दुबे बिग बॉस 20 में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री का मानना है कि रियलिटी शो उनके स्टारडम को बढ़ाने से ज्यादा उनके द्वारा निभाए गए किरदारों के पीछे छिपे असली इंसान को दिखाने का मौका देगा। दरअसल, अभिनेत्री ने शो के अंदर जाने से पहले आईएएनएस के साथ बातचीत की। इसमें उन्होंने कहा कि उन्होंने जीवन में एक ही बार विवादों का सामना किया है। अगर शो के कंटेस्टेंट इस पर कोई टिप्पणी करते हैं, तो उन्हें इससे कोई फर्क नहीं पड़ेगा।

उन्होंने कहा, ÷मुझे लगता है कि बिग बॉस मुझे अपने दर्शकों को अपना असली रूप दिखाने का मौका देगा, जो उन्होंने पहले कभी नहीं देखा। मैंने हमेशा कुछ ऐसे रोल और किरदार निभाए हैं, जो लिखे हुए होते थे। इस बार सब कुछ असली होगा और यही वजह है कि बिग बॉस है।÷

उन्होंने कहा, ÷मैं अपने अनुभव से बोल रही हूं कि जब आप भोजपुरी एक्टर होते हैं, तो आप सिर्फ नेशनल लेवल पर ही नहीं, बल्कि ग्लोबल लेवल पर भी जाने जाते हैं। भोजपुरी एक ऐसी भाषा है, जो दुनियाभर के कई हिस्सों फिजी, मॉरीशस और भी कई जगहों पर बोली जाती है। अमेरिका, इंग्लैंड, लगभग हर उस जगह पर भोजपुरी बोलने और समझने वाले लोग रहते है।÷

आम्रपाली दुबे ने भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री की तारीफ करते हुए कहा कि हमारी फिल्मों और गानों को हर जगह सुना और देखा जाता है। उन्होंने कहा, हमारी इंडस्ट्री की खासियत यह है कि हम जो भी फिल्में और गाने बनाते हैं, उन्हें हर जगह देखा और सुना जाता है। तो मैं बस उन फैंन्स को अपना असली साइड दिखाना चाहती हूं। अभिनेत्री ने आईएएनएस ने सवाल किया, आपको किस बात का ज्यादा डर है, विवाद, इमोशनल कंट्रोल खोने का, या यह जानने का कि बाहर की उनकी पॉपुलैरिटी वोट्स में नहीं बदल रही है?÷

मेट्रो बाजार

अगस्त में पहली बार यात्री वाहन बिक्री में सीएनजी, हाइब्रिड और ईवी ने पेट्रोल को पीछे छोड़ा

नई दिल्ली । भारत के यात्री वाहन बाजार में अगस्त में पहली बार वैकल्पिक ईंधन वाले वाहन जैसे सीएनजी, हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक ने पेट्रोल कारों को बिक्री के मामले में पीछे छोड़ दिया। फाडा के आंकड़ों के मुताबिक, यह उपभोक्ताओं की पसंद में एक संरचनात्मक बदलाव का संकेत है। फाडा ने कहा कि सीएनजी, हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक वाहनों की संयुक्त हिस्सेदारी यात्री वाहन बिक्री में 41.95 प्रतिशत रही, जबकि पेट्रोल वाहनों की हिस्सेदारी 40.85 प्रतिशत थी। यह बदलाव ऐसे समय पर आया है जब एक साल से कुछ अधिक पहले तक पेट्रोल वाहनों की हिस्सेदारी वैकल्पिक ईंधन वाले वाहनों से करीब 11 प्रतिशत अधिक थी। यह भारत के ऑटो बाजार में बदलाव की तेज रफ्तार को दर्शाता है। इसके अलावा, ऑटो क्षेत्र में अगस्त में अब तक की सबसे अधिक 24,23,201 इकाइयों की बिक्री दर्ज की गई, जो सालाना आधार पर 17.51 प्रतिशत की वृद्धि है। फाडा के अनुसार, दोपहिया, यात्री वाहन, वाणिज्यिक वाहन, ट्रैक्टर और तीनपहिया सभी कैटेगरी ने अगस्त में बिक्री के नए रिकॉर्ड बनाए। यात्री वाहनों की खुदरा बिक्री 4,02,398 इकाइयों पर रही, जो सालाना आधार पर करीब 16 प्रतिशत अधिक है। इसका मतलब है कि अगस्त महीने में पहली बार यात्री वाहनों की बिक्री 4 लाख का आंकड़ा पार कर गई। हालांकि, फाडा ने कहा कि सालाना आधार पर मजबूत वृद्धि का आंकड़ा आंशिक रूप से अगस्त 2025 के कमजोर आधार के कारण भी बेहतर दिख रहा है।

एयर इंडिया-नए सीईओ ने कर्मचारियों से मांगा साथ, बोले

सुरक्षा से जुड़ी प्राथमिकता पर रहेगा जोर

नई दिल्ली। एयर इंडिया के नए मुख्य कार्यकारी अधिकारी और प्रबंध निदेशक टेवोल्डे गेब्रेमरियम ने सोमवार को कर्मचारियों को संबोधित किया। उन्होंने एयरलाइन के कर्मचारियों से पूरा समर्थन और सहयोग मांगा। गेब्रेमरियम ने परिचालन में होने वाले व्यवधानों को कम करने पर विशेष जोर दिया। उनका लक्ष्य एयर इंडिया को फिर से एक मजबूत और सफल ब्रांड बनाना है।

गेब्रेमरियम ने कर्मचारियों से अपने पहले संबोधन में कहा कि एयर इंडिया की एक शक्तिशाली विरासत है। इसका एक मजबूत ब्रांड और अपार क्षमता है। उन्होंने कहा कि यदि सही समय पर सही काम किए जाएं, तो सफलता की कोई सीमा नहीं है। 5 अगस्त को एयर इंडिया ने गेब्रेमरियम की नियुक्ति की घोषणा की थी। यह एक व्यापक खोज के बाद किया गया, जिसकी देखरेख एक समर्पित बोर्ड समिति ने की थी।

गेब्रेमरियम के पास इथियोपियन एयरलाइंस ग्रुप में लगभग चार दशक का अनुभव है। इसमें 11 साल से अधिक समय तक मुख्य कार्यकारी अधिकारी के रूप में उनका कार्यकाल भी शामिल है। उन्होंने कहा कि वह अमेरिका से आ रहे हैं और हम एयर इंडिया को फिर से महान बनाएंगे। गेब्रेमरियम ने 1990 के दशक में मुंबई में अपने कार्यकाल को याद किया। उन्होंने बताया कि उस समय एयर इंडिया उद्योग में शीर्ष पर थी। अब उन्हें इसे फिर से एक मजबूत ब्रांड बनाने का अवसर मिलेगा। उन्होंने सुरक्षा-प्रथम संस्कृति को नंबर एक प्राथमिकता बताया। गेब्रेमरियम ने व्यवधानों को कम करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि जब व्यवधान होते हैं, तो उन्हें पेशेवर तरीके से संभालें और ग्राहकों का ध्यान रखें। नए मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने कर्मचारियों से कहा, मुझे आपके समर्थन और सहयोग की आवश्यकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि लोगों की प्रतिबद्धता के बिना सार्थक बदलाव लाना संभव नहीं है।

बिहार बाढ़ का खौफनाक मंजर... 13 जिले और 29 लाख से ज्यादा लोग सैलाब में घिरे

पटना। बिहार में बाढ़ का दायरा लगातार फैलता जा रहा है। राज्य के 13 जिलों में करीब 29 लाख 13 हजार से ज्यादा आबादी सैलाब के बीच घिरी हुई है। पानी ने कहीं गांवों का संपर्क पूरी तरह काट दिया है, तो कहीं सड़कें डूबने से आवाजाही ठप हो चुकी है। कई इलाकों में लोगों के घरों और आंगनों तक दरिया बह रहा है। प्रशासन एक तरफ सुरक्षित ठिकानों तक राहत सामग्री पहुंचाने में जुटा है, वहीं दूसरी तरफ बीमार लोगों तक इलाज पहुंचाने की मशक्कत चल रही है।

यह विकराल संकट पटना, भोजपुर, सारण, वैशाली, भागलपुर, बेगूसराय, बक्सर, समस्तीपुर, मुंगेर, कटिहार, लखीसराय, खगड़िया और अरवल तक फैला हुआ है। इन जिलों के 77 प्रखंडों (ब्लॉक) की 438 ग्राम पंचायतों में जिंदगी ठहर सी गई है। हालांकि प्रयागराज से वाराणसी तक गंगा के धीमे पड़ने से कुछ इलाकों में जलस्तर घटने की हल्की उम्मीद भी जगी है।

पटना में गंगा का जलस्तर 50.58 मीटर के रिकॉर्ड स्तर से घटकर 50.40 मीटर पर आ गया है। इलाहाबाद से वाराणसी तक गंगा के जलस्तर में आई गिरावट से पटना में भी आगे राहत की उम्मीद है। हालांकि पुनपुन नदी अभी खतरे के निशान से 2.93 मीटर ऊपर बह रही है।

न्यूज विंडो

मामूली विवाद में दिल्ली में मणिपुरी संगीतकार की पीट-पीटकर हत्या

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के किलोकरी गांव में मणिपुरी संगीतकार सी. विक्रम सिंह की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई।

आरोप है कि विक्रम ने अपने फ्लैट के बाहर शोर मचाने और शराब पीने का विरोध किया था। इसके बाद वहां मौजूद डिलीवरी कर्मियों और ढाबा कर्मचारियों से उनका विवाद हो गया। आरोपियों ने विक्रम को मुक्कों और घूंसों से बुरी तरह पीटा। मारपीट में उन्हें गंभीर चोटें आईं। उनका बेटा याइफाबा उन्हें तुरंत होली फैमिली अस्पताल ले गया। इलाज के दौरान विक्रम की मौत हो गई। पुलिस ने इस मामले में सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है। एक नाबालिग को भी हिरासत में लिया गया है। पुलिस की शुरुआती जांच के मुताबिक, विक्रम अपने घर के सामने हो रहे शोर-शराबे से परेशान थे। वहां डिलीवरी बॉय और ढाबा कर्मचारी मौजूद थे। आरोप है कि वहां शराब भी पी जा रही थी।

लंबित DA और नोटिस के विरोध में पंजाब के सरकारी कर्मचारियों की आज हड़ताल

चंडीगढ़। पंजाब में कर्मचारी संगठनों और सरकार के बीच गतिरोध अब आंदोलन के अगले दौर में पहुंच गया है। पंजाब साझा मुलाजिम मंच ने अपनी मांगों के समर्थन में मंगलवार को पंजाब और चंडीगढ़ के सरकारी कार्यालयों में सामूहिक अवकाश का एलान किया है।क्लेरिकल कर्मचारियों के इस कदम से विभिन्न विभागों में नियमित कामकाज प्रभावित होने की संभावना है। कर्मचारियों ने स्पष्ट किया है कि मांगों पर सरकार की ओर से ठोस पहल नहीं हुई तो आंदोलन को चरणबद्ध तरीके से और तेज किया जाएगा।कर्मचारियों के मुताबिक, सरकार बनने से पहले आम आदमी पार्टी की ओर से पुरानी पेंशन योजना बहाल करने, लंबित महंगाई भत्ते का भुगतान करने और अस्थायी कर्मचारियों को नियमित करने जैसे मुद्दों पर आश्वासन दिया गया था। अब कर्मचारी इन वादों को लागू करने की मांग को लेकर सरकार पर दबाव बना रहे हैं।

विंटर सीजन से इंदौर-आबू धाबी फ्लाइट का बदलेगा समय, सुबह होगी रवाना

इंदौर। इंदौर एयरपोर्ट से आबू धाबी जाने वाले यात्रियों के लिए राहत की खबर है। 25 अक्टूबर से विंटर सीजन का नया शेड्यूल लागू होने के साथ ही इंदौर-आबू धाबी उड़ान का समय बदल जाएगा। अभी यह उड़ान शाम को इंदौर से रवाना होकर देर रात वापस आती है, लेकिन नए शेड्यूल में सुबह इंदौर से रवाना होकर शाम को वापस आएगी।इससे यात्रियों को देर रात सफर करने और एयरपोर्ट पहुंचने की परेशानी से राहत मिलेगी। नए शेड्यूल के अनुसार उड़ान सुबह 8।40 बजे इंदौर से रवाना होकर यूएई के स्थानीय समयानुसार 10।50 बजे आबू धाबी पहुंचेगी। वापसी में आबू धाबी से सुबह 11।50 बजे रवाना होकर शाम 4।45 बजे इंदौर पहुंचेगी।वर्तमान में उड़ान इंदौर से रात 7।50 बजे रवाना होकर यूएई समयानुसार रात 9।35 बजे आबू धाबी पहुंचती है। वापसी में आबू धाबी से रात 10।35 बजे रवाना होकर रात 3।20 बजे इंदौर पहुंचती है। समय में बदलाव के साथ उड़ान संख्या भी बदलेगी।

गणनास्थल से बैंक तक कैमरों का पहरा

राम मंदिरः बदली गई सारी व्यवस्था नकदी का हिसाब पूरी तरह डिजिटल

अयोध्या, एजेंसी

राम मंदिर के चढ़ावे में सेंध ने श्रीराम जन्मभूमि मंदिर की व्यवस्था का पूरा ढांचा बदल दिया। चार जून की घटना के बाद महज तीन महीने में ट्रस्ट ने व्यक्ति आधारित सिस्टम को पीछे कर तकनीक और संस्थागत निगरानी को केंद्र में ला दिया है। पहली बार सीईओ की नियुक्ति हुई है, चढ़ावे की गिनती पर कैमरों का पहरा बढ़ा है और मंदिर से बैंक तक नकदी का पूरा सफर डिजिटल रिकॉर्ड में दर्ज होगा। ट्रस्ट का दावा है कि इन बदलावों के बाद राम मंदिर की व्यवस्था देश के बड़े धार्मिक ट्रस्टों में सबसे अधिक पारदर्शी होगी।

पहली बार सीईओ के हाथ में दैनिक प्रबंधन

राम मंदिर के इतिहास में पहली बार सीईओ की नियुक्ति की गई है। सेवानिवृत्त एयर मार्शल जितेंद्र मिश्रा को सर्वसम्मति से ट्रस्ट का पहला सीईओ चुना गया है। अब तक मंदिर के निर्णय ट्रस्टियों के स्तर पर होते थे, लेकिन अब जिम्मेदारी सीईओ के पास होगी।

पूर्व महासचिव चंपत राय और सदस्य डॉ। अनिल मिश्र के इस्तीफे के बाद ट्रस्ट में नई नियुक्तियां भी की गई हैं। महेश भागचंदका को कोषाध्यक्ष और गोविंद देव गिरि को महासचिव बनाया गया है।

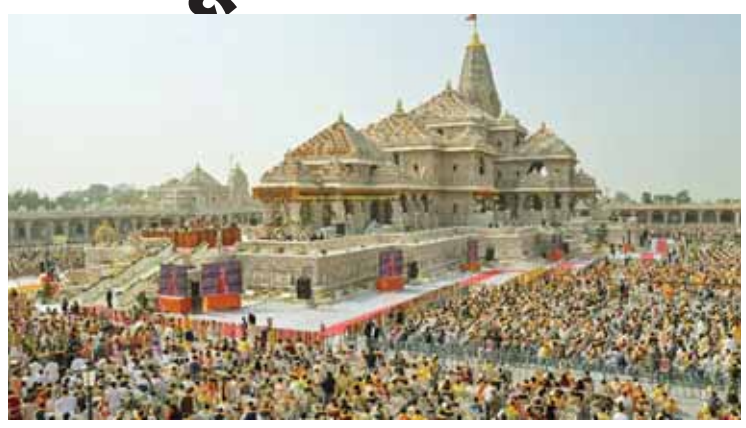

चढ़ावे की गणना में बड़ा बदलाव

दान गिनने वाले कर्मचारियों के लिए जेब-रहित वर्दी अनिवार्य कर दी गई है, ताकि कोई नकदी बाहर न ले जा सके।गिनती केंद्र में एंट्री-एग्जिट पर तलाशी और पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी शुरू की गई है। पहले सीसीटीवी फुटेज 45 दिन रखी जाती थी, अब 180 दिन तक सुरक्षित रहेगी।साधारण कैमरों की जगह पीटीजेड कैमरे लगाए गए हैं जो घूमकर और जूम करके निगरानी कर सकेंगे। गणनास्थल की निगरानी के लिए 13 नए कैमरे और 27 अतिरिक्त एसआईएस के सुरक्षा कर्मियों की तैनाती की गई है। अब गिनती स्थल पर कुल 43 अधिकृत लोग ही रहेंगे।अब पैसे का हिसाब सीए की निगरानी में और पूरी तरह डिजिटल रखा जाएगा, एक स्थायी सीए की नियुक्ति भी कर दी गई है। नए कोषाध्यक्ष ने भी सीए की नई टीम लगाई है।श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में चढ़ावा चोरी के मामले में गठित नई एसआईटी ने जांच तेज कर दी है। जेल में बंद आरोपियों से मिले नए नामों का सत्यापन भी तेज कर दिया गया है। जांच से जुड़े सूत्रों के अनुसार, एसआईटी सितंबर के अंत तक अपनी अंतिम रिपोर्ट सील बंद लिफाफे में शासन और सुप्रीम कोर्ट को सौंप देगी।

ट्रंप बोले- ईरान से युद्ध जीतते ही तेल होगा सस्ता, दो डॉलर से कम होगी गैस

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि ईरान के साथ युद्ध में अमेरिका की जीत के बाद तेल की कीमतों में तेज गिरावट आएगी। ट्रंप ने सोमवार को अपने ट्रुथ सोशल अकाउंट पर लिखा कि युद्ध जीतने के बाद तेल की कीमतें तेजी से गिरेंगी। उन्होंने कहा कि गैस की कीमत पहले तीन डॉलर प्रति गैलन तक आ सकती है और अंततः दो डॉलर प्रति गैलन से भी नीचे जा सकती है। ट्रंप ने यह भी दोहराया कि अमेरिका ईरान को परमाणु हथियार हासिल नहीं करने देगा।

ईरानी संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाकर गालिबाफ ने अमेरिका को ईरान की ऊर्जा सुविधाओं पर किसी भी कार्रवाई के खिलाफ चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि ईरान का तेल और गैस उत्पादन तंत्र काफी फैला हुआ है और उसकी सुरक्षा आसान नहीं है। गालिबाफ ने कहा, 'हमारी संपत्तियों पर हमला करेंगे तो आप पर भी हमला होगा। हम यह पहले ही साबित कर चुके हैं। उन ठिकानों से पूछिए, जो अब काम करने लायक नहीं बचे।'

....तो अमेरिका तेल टैंकरों को नष्ट कर देगा

अमेरिकी युद्ध सचिव पीट हेगसेथ ने कहा कि अगर ईरान अमेरिकी जहाजों पर हमला करता है तो अमेरिका उसके तेल टैंकरों को नष्ट कर देगा। उन्होंने दावा किया कि ईरान के पास न नौसेना बची है और न वायुसेना। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने तीन ईरानी कच्चे तेल के टैंकरों पर हमले का वीडियो भी साझा किया। कमांड के मुताबिक, ये टैंकर अरबों डॉलर के उस नेटवर्क का हिस्सा थे, जिससे ईरान का रिवोल्यूशनरी गार्ड और उसके क्षेत्रीय सहयोगी आर्थिक मदद हासिल करते हैं। सेंटकॉम कमांडर एडमिरल ब्रैड कूपर ने कहा कि अमेरिकी जहाजों पर हमला हुआ तो ईरान की तेल आपूर्ति पर और बड़ी आर्थिक कीमत थोपी जाएगी।

नशे में धुत युवक ने उमर अब्दुल्ला के सरकारी आवास में घुसकर मचाई हलचल, गिरफ्तार

जम्मू। रियासी जिले के कक्रियाल इलाके के रहने वाले एक युवक द्वारा पिछले सप्ताह जम्मू के वजारत रोड स्थित जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के सरकारी आवास में कथित तौर पर घुसपैठ करने का मामला सामने आया है। मुख्यमंत्री निवास की सुरक्षा में तैनात तैनात विशेष सुरक्षा समूह (एसएसजी) के जवानों ने उक्त युवक को पकड़कर गुज्जर नगर पुलिस के हवाले कर दिया।

अधिकारियों के मुताबिक युवक की पहचान तिलक राज, निवासी कक्रियाल, जिला रियासी के रूप में हुई है। बताया गया कि उसे इससे पहले गुरुवार को गुज्जर नगर पुलिस ने नशे की हालत में पकड़ा था। हालांकि, अगले दिन जमानती अपराध के तहत उसे जमानत पर रिहा कर दिया गया था।एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि जब तिलक राज मुख्यमंत्री के आवास में घुसा, उस समय वह पुलिस हिरासत में नहीं था, बल्कि पहले ही जमानत पर बाहर आ चुका था।अधिकारियों के अनुसार, तिलक राज के खिलाफ नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस एक्ट की धारा 8/27 के तहत मामला दर्ज किया गया था।

पूर्णिया में 8 दिनों के भीतर नदी में समाये 2 पुल, 12 पंचायतों की शहर से कनेक्टिविटी कट, गुणवत्ता पर उठे सवाल

पूर्णिया। महज आठ दिनों के भीतर में जिले में पुल से संबंधित दो घटनाएं हो चुकी है। गत 29 अगस्त को महज एक साल पूर्व कसबा प्रखंड के मोहनी पंचायत में सौरा नदी पर 14 लाख की लागत से बना पुल का मध्य भाग में ही धसान हो गया था। इस पुल से भारी वाहनों के आवाजाही पर रोक लगा दी गई है।

गेरुआ चौक के पूर्व बने इस पुल के धंसने से लगभग पांच पंचायतों के लोगों की परेशानी बढ़ी हुई है। 15वीं वित्त योजना के तहत बने इस पुल के निर्माण में घोर अनियमितता बरतने का आरोप भी लगे हैं।

ग्रामीणों का आरोप है कि पुल के निर्माण में मानकों की अनदेखी की गई और पर्याप्त मात्रा में सरिया का इस्तेमाल नहीं किया गया। यही वजह है कि निर्माण के महज एक साल के भीतर ही पुल की संरचना कमजोर पड़ गई और अब जगह-जगह से धंसने लगा है।पुल के निर्माण में कम राशि का रोना भी है। 15वीं वित्त योजना का उद्देश्य गांवों में मूलभूत सुविधाओं को मजबूत करना है, लेकिन मोहनी पंचायत में उससे पुल निर्माण कराया गया।अब अमौर प्रखंड क्षेत्र के आसियानी घाट पर स्क्रू पाइप पुल का एक स्लैब ट्रक समेत नदी में समा गया है। इस पुल की हालत पहले से जर्जर थी। इसमें सूचना पट लगाकर विभाग अपने दायित्व का इतिश्री कर लिया था।

मेट्रो एंकर **जैश मुख्यालय बना ड्रोन ट्रेनिंग सेंटर, स्वॉर्म अटैक की तैयारी से बढ़ी चिंता**

आतंकियों के निशाने पर भारत! दर्जनों ड्रोन उड़ाने की मिली ट्रेनिंग

नई दिल्ली, एजेंसी

पाकिस्तान के लश्कर-ए-ताइबा और जैश-ए-मोहम्मद आतंकी संगठनों ने अब एक साथ दर्जनों ड्रोन उड़ाने और बड़े ड्रोन हमले की साजिश?रचनी शुरू कर दी है। पाकिस्तान में कई जगहों पर इन संगठनों से जुड़े आतंकियों को एक साथ दर्जनों ड्रोन चलाने तथा इनके जरिये निगरानी और हमले की दो महीने तक ट्रेनिंग दी गई है।

खुफिया एजेंसियों को मिले इनपुट के अनुसार आतंकियों को सामान्य व्यावसायिक ड्रोन के संचालन से लेकर भविष्य में एक साथ कई ड्रोन से हमले के लिए तैयार किया जा रहा है। अमृतसर के आसमान में बीती रात कई ड्रोन देखे जाने की सूचना के बाद कई उड़ानें रद्द और कुछ डायवर्ट करनी पड़ीं। ये ड्रोन पाकिस्तान से आए थे या स्थानीय स्तर पर उड़ाए गए इसकी जांच सुरक्षा और जांच एजेंसियां कर रही हैं। हालांकि खुफिया एजेंसियों के इनपुट से यह स्पष्ट है कि पाकिस्तान में आतंकियों के हाथ बड़ी संख्या में ड्रोन लग चुके हैं और उन्हें इन्हें चलाने का प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है।

एक ड्रोन से स्वॉर्म अटैक तक की तैयारी

पाकिस्तान में आईएसआई और पाकिस्तानी सेना की सरपरस्ती में आतंकियों को ड्रोन संचालन की ट्रेनिंग दिया जाना बेहद खतरनाक है। रक्षा विशेषज्ञ सेवानिवृत्त ब्रिगेडियर एचएस चड्ढा के अनुसार चिंता इसलिए है कि आतंकी संगठन अब केवल एक ड्रोन उड़ाने तक सीमित रहने के बजाय एक साथ कई ड्रोन के इस्तेमाल यानी स्वॉर्म अटैक की कोशिश कर सकते हैं। व्यावसायिक ड्रोन की आसान उपलब्धता ने चुनौती को और गंभीर बना दिया है।चड्ढा ने कहा कि पाकिस्तान में आतंकियों को जिस तरह प्रशिक्षण दिया जा रहा है वह चिंताजनक है। हालांकि दुश्मन देश की हर चाल का सुरक्षा एजेंसियों को पता चल जाता है और यही वजह है कि उसकी नापाक कोशिशों को समय-समय पर ध्वस्त किया जाता है।

मरकज में दी जा रही थी ट्रेनिंग

खुफिया सूत्रों के अनुसार यह गतिविधि किसी एक स्थान तक सीमित नहीं है। पाकिस्तान में अलग-अलग ठिकानों पर आतंकियों को बड़े ड्रोन हमले के लिए प्रशिक्षित किया जा रहा है।

खुफिया जानकारी के मुताबिक तीन सितंबर को बहावलपुर में ड्रोन स्वॉर्म अटैक की दो महीने की ट्रेनिंग पूरी हुई। यह प्रशिक्षण जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा के आतंकियों को दिया जा रहा था।

के पास बहावलपुर के मरकज सुभान अल्लाह में बनाए गए ड्रोन सेफ हाउस की तस्वीरें हैं। इनमें ट्रेनिंग के लिए रखे दर्जनों ड्रोन दिखाई दे रहे हैं। यह वही मरकज है जो जैश-ए-मोहम्मद का मुख्यालय है और जहां से आतंकियों को भारत के खिलाफ ज्यादातर ट्रेनिंग दी जाती है। जैश के आतंकी इसी पाठशाला से निकलते हैं।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया** **स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564, 4917524